DE GROUP
We Define Estate

Gandivaranchi
बिरसा का गांडीव

injection.care
PHARMACY
+91 95070 00009 | injection.care

रांची, पौष, शुक्ल पक्ष, एकादशी 2082 | मंगलवार, 30 दिसंबर 2025, मूल्य: ₹2, वर्ष : 7, अंक: 46 | RNI NO : JHABIL/2019/85684 | TOTAL PAGE-08 | www.gandivlive.com

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

झारखण्ड 25 अनंत संभावनाओं की ओर

नववर्ष का उपहार
सरकारी नौकरी लगातार

JSSC द्वारा आयोजित
CGL परीक्षा में
चयनित 1,910 अभ्यर्थियों
का

नियुक्ति पत्र
वितरण समारोह

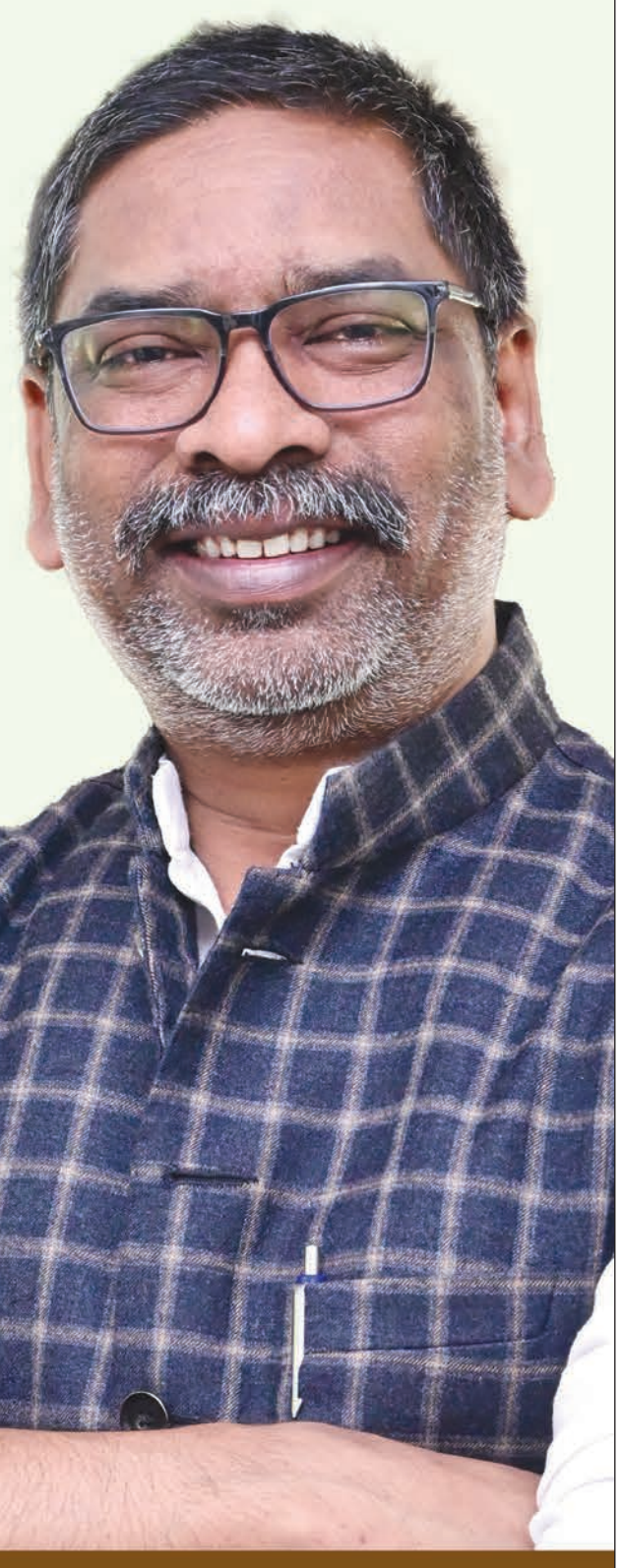

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सम्मानित अतिथि

श्री राधा कृष्ण किशोर

माननीय मंत्री, वित्त विभाग, योजना एवं विकास विभाग,
वाणिज्य कर विभाग एवं संसदीय कार्य विभाग

श्री संजय प्रसाद यादव

माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं
कौशल विकास विभाग, उद्योग विभाग

30 दिसंबर, 2025 | अपराह्न 01:30 बजे से
मोरहाबादी मैदान, रांची

PRNO 369656 (IPRD) 25-26

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

मुख्यमंत्री हेमंत से ट्रिपल आईटी रांची में चयनित आदिवासी छात्रा सविता कच्छप ने की मुलाकात

GANDIV REPORTER

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को काके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में ट्रिपल आईटी, रांची में आदिवासी समुदाय से चयनित सबसे कम उम्र की पीएचडी अभ्यर्थी सविता कच्छप ने मुलाकात की। मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने उन्हें अपनी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने सविता कच्छप को पीएचडी की पढ़ाई पूरी करने हेतु राज्य सरकार की ओर से 2 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि का चेक उनके परिजन को सौंपा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के समक्ष सुश्री सविता कच्छप ने कहा कि वे डुंगरी टोली, अरगोड़ा रांची की निवासी हैं और वर्तमान

में मधुकम स्थित अपनी नानी के घर पर रह कर पढ़ाई कर रही हैं। मुख्यमंत्री को उन्होंने अवगत कराया कि वे आदिवासी समुदाय में सबसे कम उम्र (24 वर्ष) की अभ्यर्थी हैं जिनका ट्रिपल आईटी, रांची में पीएचडी हेतु इलेक्ट्रिक कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग कोर्स में चयन हुआ है। वे टेक्निकल फील्ड में पहला ट्राइबल रिसर्च स्कॉलर भी हैं तथा IEEE में अंतराष्ट्रीय नॉवेल्टी रिसर्च वर्क प्रेजेंट कर चुकी हैं। मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सुश्री सविता कच्छप की हौसला अफजाई करते हुए उनसे कहा कि वे आगे अपनी पढ़ाई और शोध कार्य जारी रखें, राज्य सरकार हरसंभव उन्हें मदद करेगी। मौके पर सुश्री सविता कच्छप के परिजन एवं अन्य उपस्थित रहे।

इनर व्हील क्लब ऑफ स्वर्णरेखा ने चलाया जागरूकता अभियान

GANDIV REPORTER

रांची। इनर व्हील क्लब ऑफ स्वर्णरेखा, रांची जिला 325 ने लोअर वर्धमान कंपाउंड, पी एन टी कॉलोनी में स्थित कैंसर सेल्टर (अपना घर) में एक जागरूकता मुहिम चलाया गया। यह कार्यक्रम हमारी क्लब अध्यक्षा सोमा भादुड़ी के नेतृत्व में किया गया।इस सेल्टर होम में ज्यादातर ओरल ओर ब्रेस्ट कैंसर के पेशेंट रहते हैं।इस कार्यक्रम के तहत 15 कैंसर पेशेंट के बीच तकिया ओर कम्बल बांटा गया। क्लब के सदस्यों ने बीमार लोगों का हौंसला बढ़ाने के लिए उनके साथ समय व्यतीत किया और बातचीत की। क्लब की पुरानी सदस्य रिंकु बनर्जी और हमारी अध्यक्षा ने उनके लिए उनके फरमाइश पर गाना गाया । उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पौष्टिक आहार का वितरण किया गया। क्लब की ओर से रिंकू बैनर्जी, कामिनी भारती, अंजू देवी अन्य सदस्य उपस्थिति थी।

महादेव फाऊंडेशन की ओर से गरीबों के बीच कंबल वितरण

GANDIV REPORTER

रांची। महादेव फाऊंडेशन की ओर से स्थापना दिवस और चन्द्रावती देवी की पहली पुण्यतिथि के अवसर पर रातू रोड के शिव शक्ति नगर में कंबल वितरण सह सामूहिक भोजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्रोचारण के बाद किया गया। फाऊंडेशन के संस्थापक मृत्युंजय सिंह ने अपनी माता स्वर्गीय चन्द्रावती देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इसके बाद 11 ब्राह्मणों की ओर से मंत्रों से पूजन करा कर कंबल वितरण कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। नायक चौक, इन्द्रपुरी, मधुकम,शिवपुरी समेत आसपास के चयनित 500 से अधिक गरीब लाभुकों के बीच कंबल दिये गये। संस्थापक मृत्युंजय सिंह ने

मौके पर कहा की पि छ ले 10 वर्षों से कंबल वितरण का काम संस्था करा रही है। इसके अलावा सामूहिक विवाह के कार्यक्रम भी समय समय पर आयोजित किये जाते हैं। अब तक 5000 से अधिक गरीब कन्या ओं का विवाह भी संस्था ने कराया है। साथ ही साथ रातू रोड के बिड़ला मैदान में कई धार्मिक आयोजन भी किये जाते हैं। कंबल वितरण कार्य क्रम में वीएसपीएन सिंह, उत्तम यादव, सौरभ अग्रवाल, अशोक यादव,माया सिंह, वार्ड नबंर 31 के समाजिक कार्यकर्ता नीरज, मनोज सिंह, नीरज सिंह, राकेश सिंह, धनंजय सिंह,आरती सिंह, रागिनी सिंह, सुनील कुमार सिंह, अशोक सिन्हा समेत कई गण मान्य अतिथि मौजूद थे। कंबल वितरण का कार्यक्रम शाम चार बजे तक जारी रहा।

एसीबी के सवालों का जवाब नहीं दे रहे विनय सिंह

रांची। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले के आरोपी निलंबित आईएएस विनय कुमार चौबे के करीबी ऑटोमोबाइल कारोबारी विनय सिंह एसीबी को पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे। हजारीबाग जेल से रिमांड पर रांची लाकर एसीबी विनय सिंह से लगातार पूछताछ कर रही है। लेकिन वह एजेंसी के सवालों का जवाब नहीं दे रहे। ज्यादातर सवालों के जवाब में वह यही कह रहे हैं कि उन्हें कुछ याद नहीं है। एसीबी की पूछताछ शनिवार को शुरू हुई है और यह पूछताछ एक सप्ताह तक चलेगी। विनय सिंह निलंबित आईएएस अधिकारी और शराब घोटाला और जमीन घोटाले में गिरफ्तार आरोपित विनय कुमार चौबे के सबसे करीबी हैं। उन पर निलंबित आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे के काले धन का निवेश करने और मनी लॉन्ड्रिंग में सहयोग करने जैसे गंभीर आरोप हैं।

रांची में कड़ाके की ठंड के बीच युवा कांग्रेस नेता रोहित सिन्हा ने उठाया बीड़ा

जरूरतमंदों के बीच कर रहे हैं कंबल वितरण

GANDIV REPORTER

रांची। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर युवा कांग्रेस महासचिव रोहित सिन्हा ने असहायों के बीच कम्बल वितरण किया। इसके साथ ही हर घर कांग्रेस पार्टी का झंडा लगाया। रोहित ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का स्थापना दिवस देश के लोकतांत्रिक संघर्ष, आजादी और संविधान निर्माण की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। कांग्रेस ने हमेशा गरीब, किसान, मजदूर और वंचितों की आवाज बनकर राष्ट्र को एकजुट रखा है। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि स्थापना दिवस पर संकल्प है कि संविधान, लोकतंत्र और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस हर हाल में हर मोर्चे पर निर्णायक संघर्ष करती रहेगी।

कड़ाके की ठंड में राहत पाकर जरूरतमंदों के चेहरे खिल

उठे : इस मौके पर युवा कांग्रेस महासचिव रोहित सिन्हा ने कहा कि ठंड के इस कठिन दौर में दैनिक मजदूरी करने वाले, सड़क किनारे रहने वाले, असहाय बुजुर्ग और गरीब परिवार सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। कई परिवार ऐसे हैं जिनके पास ठंड से बचाव के पर्याप्त साधन नहीं होते। राहत वितरण के दौरान जैसे ही जरूरतमंदों को गर्म कंबल मिले, उनके चेहरों पर सुकून और संतोष साफ झलकने लगा।भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

लहाबोन-सिमुलतला रेलखंड के बीच मालगाड़ी डिरेल होने से परिचालन ठप, रांची रेल मंडल की कई ट्रेनों के रूट बदले

GANDIV REPORTER

रांची। आसनसोल मंडल के अंतर्गत लहाबोन-सिमुलतला रेलखंड के बीच मालगाड़ी डिरेल की घटना के बाद ट्रेनों का परिचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। दुर्घटना के कारण संबंधित रेलखंड पर ट्रेनों का परिचालन अस्थायी रूप से बाधित हो गया। वहीं यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने कुछ प्रमुख ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था 30 दिसंबर 2025 से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेनों पर लागू रहेगी।
रांची रेल मंडल के अधिकारियों के अनुसार मालगाड़ी दुर्घटना स्थल पर ट्रैक मरम्मत का कार्य तेजी से किया जा रहा है। जब तक रेलखंड पूरी तरह सुरक्षित

नहीं हो जाता, तब तक वैकल्पिक मार्गों से ट्रेनों का संचालन किया जाएगा, ताकि यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने में कोई असुविधा न हो।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनें इस प्रकार हैं : ट्रेन संख्या 18603 रांची-गोड्डा एक्सप्रेस, जो 30 दिसंबर 2025 को अपनी यात्रा शुरू करेगी, अब अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर जसीडीह, देवघर, मोहनपुर, हरलाटांड़, हंसडीहा होकर चलेगी। इस बदलाव से देवघर और आसपास के स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को वैकल्पिक सुविधा मिलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 17008 दरभंगा-सिकंदराबाद एक्सप्रेस भी परिवर्तित मार्ग से संचालित की जाएगी।
यह ट्रेन अब अपने नियमित मार्ग के बजाय किऊल, तिलैया, बन्धुआ, कोडरमा, गोमो, चंद्रपुरा, राजाबेड़ा होकर संचालित होगी। इस मार्ग परिवर्तन के चलते कुछ स्टेशनों पर ठहराव और समय में आंशिक बदलाव संभव है। वहीं, ट्रेन संख्या 18186 गोड्डाझ टाटानगर एक्सप्रेस (वाया मूरी) भी बदले हुए मार्ग से चलेगी। यह ट्रेन अब हंसडीहा, हरलाटांड़, मोहनपुर, देवघर, जसीडीह होकर अपने गंतव्य की ओर रवाना होगी।

रेलवे की यात्रियों से अपील : रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति, मार्ग और समय-सारणी की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें। इसके लिए रेलवे पूछताछ केंद्र, वेबसाइट और हेल्पलाइन का उपयोग किया जा सकता है। रेलवे प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि ट्रैक मरम्मत का कार्य पूर्ण होते ही परिचालन को जल्द सामान्य कर दिया जाएगा।

झारखंड में कड़ाके की ठंड, गुमला का पारा 2.4 डिग्री पहुंचा

GANDIV REPORTER

रांची। साल 2026 का कांउंटडाउन शुरू हो गया है। सभी अपने-अपने तरीके से नववर्ष को यादगार बनाने की तैयारी में जुटे हैं। इस बीच झारखंड में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। गुमला समेत चार जिलों का न्यूनतम पारा 5 डिग्री से भी नीचे चला गया है। वहीं मौसम केंद्र ने साल के अंतिम दिन यानी 31 दिसंबर को राज्य के 12 जिलों में घने कोहरे की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। इनमें गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ जिले शामिल हैं।

राज्य के 11 जिलों का न्यूनतम पारा 10 डिग्री के नीचे : मौसम केंद्र रांची के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के मुताबिक पूरे राज्य

में उत्तर पश्चिम हवाएं चल रही हैं। ज्यादातर इलाकों का मौसम शुष्क है। कई इलाकों के न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री की कमी आई है। मौसम केंद्र, रांची की ओर से 30 दिसंबर को जारी रिपोर्ट के मुताबिक गुमला में सबसे ज्यादा ठंड रिकॉर्ड की गई है। गुमला का न्यूनतम पारा 2.4 डिग्री पहुंच गया है। गुमला के बाद खूंटी में न्यूनतम पारा 3.7 डिग्री पहुंच गया है। कड़ाके की ठंड की वजह से जनजीवन पर व्यापक असर पड़ा है। इसके अलावा लोहरदगा में 4.6 डिग्री, डाल्टनगंज में 5.0 डिग्री, रांची में 5.4 डिग्री, सिमडेगा में 6.4 डिग्री, सरायकेला में 7.1 डिग्री, बोकारो में 7.1 डिग्री, जमशेदपुर में 8.6 डिग्री, चाईबासा में 9.2 डिग्री और कोडरमा में 9.9 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है।

पांच जिलों में दिन में भी कड़ाके की ठंड : राज्य में पांच जिले ऐसे हैं जहां दिन में भी सिहरन से लोग परेशान हैं। इसकी वजह है अधिकतम तापमान में गिरावट। दिन में सबसे ज्यादा ठंड डाल्टनगंज में पड़ रही है। यहां का अधिकतम तापमान 16.0 डिग्री पहुंच गया है।

एक्वा वर्ल्ड के रिलायंस कार्निवल के दूसरे दिन भी कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं की धूम रही

प्रियांशी और संतोषी को रांची के डांसिंग सेंसेशन का खिताब मिला

GANDIV REPORTER

रांची। एक्वा वर्ल्ड के द्वारा नव वर्ष के अवसर पर आठ दिवसीय नव वर्ष मेला रिलायंस कार्निवल 2026 के दूसरे दिन कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं की धूम रही। आज का मुख्य आकर्षण सोलो और डबल डांस प्रतियोगिता थी। इस कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में सुप्रिया चक्रवर्ती, पापिया देवगढ़िया, डेविड एलेक्स उपस्थित थे। बच्चों ने भी नए पुराने और रीमिक्स गानों पर जबरदस्त डांस कर उपस्थित लोगों को झुमा दिया। सबसे बेहतरीन डांस करने के कारण प्रियांशी और संतोषी को 'रांची के डांसिंग सेंसेशन' का पुरस्कार मिला।
इसके पहले सुबह में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लोगों को मछली घर का चित्र बनाना था । टैटू

कंपटीशन में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। मेहंदी कंपटीशन में महिलाओं ने जमकर आनंद उठाया इसके बाद बारी थी बेस्ट हेयर स्टाइल कंपटीशन की जहां दो-दो महिलाओं की टीम को सबसे अच्छे तरीके से हेयर स्टाइल करना था। फिर म्यूजिकल क्विज का आयोजन किया गया।आज के आउटफिट प्रतियोगिता का थीम बेस्ड ओवरकोट था। सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर एक्वा वर्ल्ड समूह के चेयरपर्सन प्रतुल शाह देव, डॉ विद्या झा, विपुल नायक ,सत्य प्रकाश चंदेल, लोकेश कुमार,वसीम आलम,राहुल शाह देव,देव ज्योति नाहा,आनंद नायक, प्रदुमन, उदय, आदि उपस्थित थे।

आज के विजेता

दंगल टाइम - अक्षत।
पेंटिंग - समृद्धि,अन्वी, वर्णिका, दीपांकर, शुभंकर, अर्षभ, काव्या प्रेरणा, कृतिका।
बेस्ट टैटू - समृद्धि, अन्वी,अमन।
मेहंदी - तान्या,निकी,निकिता।
बेस्ट हेयरस्टाइल- मोना, तनु, हर्षिका।
म्यूजिकल क्विज - मोना,नेहा।
रिलायंस कार्निवल में 30 दिसंबर को रांची की मिस डिवा और मिस्टर हंक का चयन
30 दिसंबर को कैटवॉक प्रतियोगिता के जरिए रांची के मिस दिवा और मिस्टर हंक का चयन होगा। इसके अतिरिक्त बैलून स्पेस कंपटीशन, मिमिक्री कंपटीशन, बबल गम ब्लास्ट, सेल्फी कंपटीशन, चॉकलेट ईटिंग कंपटीशन , मिस्ट्री ज्वेलरी टच कंपटीशन ,बेस्ट साड़ी कंपटीशन ,फैंसी ड्रेस कंपटीशन (12 वर्ष तक), बेस्ट रेड आउटफिट कंपटीशन,आदि प्रमुख है।

DE GROUP
We Define Estate

Gandivaranchi
बिरसा का गांडीव

injection.care
PHARMACY
+91 95070 00009 | injection.care

रांची, पौष, शुक्ल पक्ष, एकादशी 2082 | मंगलवार, 30 दिसंबर 2025, मूल्य: ₹2, वर्ष : 7, अंक: 46 | RNI NO : JHABIL/2019/85684 | TOTAL PAGE-08 | www.gandivlive.com

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुमला के कार्तिक जतरा 2025 में हुई शामिल, कहा-यहां आना तीर्थ यात्रा जैसा

आज आदिवासी समाज है सबसे पिछड़ा : राष्ट्रपति

140 करोड़ देशवासियों का है मेरा परिवार

GANDIV REPORTER

गुमला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को गुमला जिले के रायडीह प्रखंड स्थित मांझाटोली में आयोजित दो दिवसीय अंतरराज्यीय जन सांस्कृतिक समागम कार्तिक जतरा 2025 में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हवाई मार्ग से गुमला पहुंचीं राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके किया गया। साथी शिव शंकर उरांव ने सोबराई कला के प्रतीक चिह्न भेंटकर राष्ट्रपति का अभिवादन किया। राष्ट्रपति के कार्यक्रम में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी भी शामिल हुए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाले इस क्षेत्र (गुमला) की नदियां, पहाड़, जंगल देश के प्राचीनतम परंपराओं के साक्षी रहे हैं। वे मंगलवार को गुमला में आयोजित अंतराज्यीय जन सांस्कृतिक समागम समारोह सह कार्तिक जतरा में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहीं थीं। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में जनजातीय समुदाय और सदान समुदाय का संगम हो रहा है। 140 करोड़ देशवासियों का मेरा परिवार है। मैं इस विशाल परिवार के जनजातीय समुदाय की बेटी हूं। राष्ट्रमाता होने का गौरव का समय नहीं आया है। आपकी बहन या माता होकर रहना ज्यादा पसंद करूंगी। मुझे अपनापन महसूस हो रहा है।

राज्यपाल के रूप में झारखंड के जनजीवन को बहुत ही निकटता से देखा है और समझा है। राज्यपाल का कार्यकाल पांच साल का होता है, लेकिन मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे झारखंड में छह साल तक राज्य और समाज के सेवा का मौका मिला। भगवान बिरसा मुंडा के जन्म स्थली और कार्य क्षेत्र में आकर मुझे तीर्थ यात्रा करने जैसा अनुभव हो रहा है।

आज आदिवासी समाज सबसे पिछड़ा है। अभी भी ऐसा है कि आदिवासी समाज के लोग पेड़ में मंच बनाकर रहते हैं। जंगल में जमीन में सोते हैं। उनके पास जमीन के साथ खान-पान भी नहीं है। जब मैं झारखंड की राज्यपाल थी, तब मैंने पाया कि 75 आदिवासी समाज ऐसे हैं, जिनके पास जमीन और घर नहीं है।

जनसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि पंखराज कार्तिक उरांव बाबा का सपना गुमला जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना करना है। यह हमारे जीवन का भी लक्ष्य है और इसे जल्द पूरा किया जाएगा। विकास को गति देनी है। जनजातीय समुदाय के पास संगीत, नाटक और कला जैसी कई प्रतिभाएं हैं, जिनसे 100 से अधिक लोगों को पद्मश्री पुरस्कार मिल चुका है, जो गौरव की बात है।

राष्ट्रपति ने आगे कहा कि राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय जनजातीय नृत्य समारोह आयोजित होता रहता है। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर भी ऐसे मौके मिलते रहते हैं। यहां आना तीर्थ यात्रा जैसा लग रहा है। शिक्षा विकास की पूंजी है। शिक्षा का विकास होगा तभी राज्य का विकास होगा। आपके प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन इसके लिए जमीन संबंधित बाधाएं पूरी होने पर यह संभव होगा। एक न एक दिन यह प्रयास जरूर सफल होगा।

पंखराज कार्तिक उरांव सभी के लिए प्रेरणा हैं। वे भारत के गौरव हैं। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया था। विदेश में शिक्षा ग्रहण की, लेकिन अपनी माटी के लिए उनकी सोच गहरी थी। उन्होंने सपना देखा था कि यहां एक विश्वविद्यालय होगा, जहां जतरा के रूप में इस स्थान पर उन्हें याद किया जाएगा। संयोग से झारखंड के मुख्यमंत्री भी जनजातीय समुदाय से हैं।

स्व. कार्तिक उरांव के योगदान को नमन : संतोष कुमार गंगवार

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने परवमीर चक्र विजेता शहीद लांस नायक अल्बर्ट एक्का और जनजातीय स्कॉलर कार्तिक उरांव को नमन करते हुए अलग-अलग प्रदेशों से आए संस्कृति प्रेमियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि झारखंड की महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में सराहनीय कार्य कर रहीं हैं। खूंटी स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की बालिकाओं ने नीट और आईआईटी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल की है। पूर्वी सिंहभूम की पीएमश्री कस्तूरबा बालिका विद्यालय, पटमदा की बैंड टीम ने नई दिल्ली में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने स्व.कार्तिक उरांव को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने सामाजिक सुधार, शिक्षा और जनजातीय अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आई आदिवासी पारंपरिक नृत्य मंडलियों ने अपनी लोक कला और संस्कृति का प्रदर्शन किया। आयोजन स्थल पंखराज साहेब कार्तिक उरांव चौक बैरियर बगीचा, मांझाटोली में हुआ।

अंतिम सांसे गिन रहा है नक्सलवाद : विष्णु देव

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि आज भाग्य का विषय है कि आज झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के त्रिवेणी संगम, मांझाटोली की पवित्र भूमि में अंतर्राज्यीय जन सांस्कृतिक समागम हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र की पहल पर पूरा देश भगवान बिरसा मुंडा की 15 नवंबर की जयंती के दिन जनजातीय गौरव दिवस के रुप में मनाता है। बस्तर में नक्सलवाद की वजह से विकास नहीं पहुंच रहा था। लेकिन प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की बदौलत बस्तर में तेजी से विकास हो रहा है। नक्सलवाल का वहां सफाया हो रहा है। 400 से ज्यादा गांव आजाद हो चुके हैं। वहां सड़क, बिजली, पानी, राशन पहुंचा दिया गया है। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अंतिम सांसे ले रहा है। पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में काम चल रहा है। बस्तर क्षेत्र के लोग नक्सलवाद से मुक्ति चाहते हैं। खुशी की बात है कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की बदौलत झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण हुआ।

सीएम ने बांटा 1910 सीजीएल के सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र

आप भाग्यशाली हैं,आपको लोगों की सेवा का मौका मिला : हेमन्त

GANDIV REPORTER

रांची। आपको बहुत पहले यह नियुक्ति पत्र मिलना चाहिए था, लेकिन कुछ लोगों की साजिश के कारण इसमें विलंब हुआ। फिर भी आपलोग भाग्यशाली हैं कि आपको लोगों की सेवा का मौका मिला है। यह कहना था राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का। वे आज मोरहाबादी मैदान में आयोजित भव्य नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में कुल 1910 सीजीएल के सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देते हुए संबोधित कर रहे थे। इनमें से 26 अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा प्रतीकात्मक रूप से नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार ने बैंकों के साथ करार किया है जिसमें हमारे कर्मचारियों की आकस्मिक मौत में उनके परिजनों को एक करोड़ रुपये मिलेंगे। सिर्फ सरकारी कर्मचारी ही नहीं अनुबंधकर्मियों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार काम करने में लगी है और विपक्षी दल भ्रम फैलाने में लगे हुए हैं। बावजूद इसके हमारी सरकार विकास की गति तेजी से बढ़ा रही है।

कार्यक्रम में सीएम के साथ कल्पना सोरेन, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, सांसद महुआ माजी, विधायक विकास कुमार मुंडा, राजेश कच्छप, अमित कुमार, संजय कुमार यादव, सुरेश कुमार बैठा, जिग्गा सुसारन होरो, संजीव सरदार, सुखराम उरांव, सविता, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, डीजीपी तदाशा मिश्रा, वित्त सचिव, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के परिजन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्य सचिव अविनाश कुमार द्वारा मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र, पौधा एवं स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया गया।

श्री कुमार ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि लगभग एक महीने पहले ही राज्य सरकार द्वारा करीब 9000 सरकारी नौकरियां दी गई थीं और आज पुनः विभिन्न विभागों की रिक्तियों पर 1900 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। आज का दिन आप सभी के जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकारी सेवा में चुनौतियां जरूर आएंगी, लेकिन यही जनसेवा का सबसे सशक्त मंच भी है। उन्होंने नव-नियुक्त कर्मियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और उनसे पारदर्शिता व ईमानदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह केवल मदद नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक न्याय का माध्यम है। अब तक लगभग 68 हजार नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। राज्य में कुल 1।60 लाख स्वीकृत सरकारी पद हैं। जैसे-जैसे ये पद भरेंगे, हमें युवाओं के लिए रोजगार के नए विकल्प भी तलाशने होंगे।

उन्होंने बताया कि एमएसएमई के माध्यम से 6 लाख 78 हजार लोगों को रोजगार दिया गया है और दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में भी अपार संभावनाएं हैं। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि स्वरोजगार के लिए बैंक ऋण में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव ने इस दिन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि राज्य के 25 वर्ष पूरे होने के अंतिम दौर में जिस तरह की ऐतिहासिक नियुक्तियां मिल रही हैं, यह केवल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की वजह से संभव हुआ है। विपक्ष केवल बयानबाजी करता है, जबकि हमारी सरकार जमीन पर काम कर रही है।

लोकभवन में राष्ट्रपति से मिले सीएम हेमंत और कल्पना सोरेन

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन मुर्मू ने मंगलवार की सुबह लोकभवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। यह एक शिष्टाचार भेंट वार्ता थी। इसके बाद राष्ट्रपति लोकभवन से गुमला के लिए रवाना हो गईं, यहां वे रायडीह प्रखंड में आयोजित अंतरराज्यीय जनसांस्कृतिक समागम कार्तिक जतरा 2025 में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगी।

दिल्ली लौटीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को रांची एयरपोर्ट पर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार व संजय सेठ झारखंड दौरे के उपरांत दिल्ली जाने के क्रम में विदाई दी गयी।

रांची के दवा दुकान में लगी भीषण आग

शॉर्ट सर्किट बताई जा रही वजह

GANDIV REPORTER

रांची। रांची के कांके रोड स्थित एक दवा दुकान में सोमवार देर रात भीषण आग लग गई। इस आगलगी में दवा दुकानदार को लाखों का नुकसान हुआ है। सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि तब तक दुकान में रखी सारी दवाइयां जलकर राख हो चुकी थी। रांची के कांके रोड स्थित केयर एंड क्योर मेडिसिन सेंटर में सोमवार की देर रात अचानक आग लग गई। दुकानदार दुकान बंद करके अपने घर जा चुके थे, उसके बाद अचानक दुकान से धुआं निकलना शुरू हुआ और देखते ही देखते आग की लपटें दुकान से बाहर आने लगी। कुछ स्थानीय लोगों ने दुकानदार को मामले की सूचना दी। वहीं अग्निशमन विभाग को भी जानकारी दी गई। थोड़ी देर में दमकल वाहन भी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मेडिसिन दुकान के मालिक ने बताया कि वे लोग दुकान बंद करके अपने घर चले गए थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने सूचना दी कि उनके दुकान से आग की लपटें बाहर आ रही है। आग लगने की वजह से भारी नुकसान हुआ है।

गोंदा थाना प्रभारी अभय ने बताया कि देर रात दवा दुकान में आग लगी थी, जिसपर काबू पा लिया गया है। पुलिस की गश्ती टीम भी मौके पर मौजूद थी। ऐसा लग रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी।

राजधानी रांची में बीते सप्ताह से आगलगी की घटनाएं बढ़ गई है। पांच दिनों के भीतर राजधानी रांची में तीन भीषण आग लगने की घटना हो चुकी हैं। इससे पहले रांची अरगोड़ा इलाके में एक अपार्टमेंट में आग लगी थी। उसके बाद अरगोड़ा में ही एक हार्डवेयर दुकान जलकर राख हो गया था। अब दवा दुकान में आग लगने की घटना सामने आई है।

गार्ड को बंधक बनाकर अपराधियों ने ज्वेलरी शॉप लूटा

धनबाद। जिले के खैतान चौक के पास जमनादास बिसेसर लाल ज्वेलरी शॉप में अपराधियों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। घटना बीती रात कतरास थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, कतरास थाना से महज 200 मीटर की दूरी पर घटना घटी। ज्वेलरी शॉप पर करीब 12 चोरों ने धावा बोलकर सबसे पहले गार्ड को बंधक बनाया फिर ज्वेलरी शॉप का शटर उखाड़कर जमकर लूट की। ज्वेलरी शॉप संचालक के पिता ने बताया कि उन्हें पुलिस द्वारा घटना की जानकारी मिली। उन्होंने बताया कि दुकान उनका बेटा संभालता है। अपराधी दुकान से सोना और चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। अपराधी कितने की ज्वेलरी अपने साथ ले गए हैं? ये कहना थोड़ा मुश्किल है।

बंगाल में भाजपा की सरकार आई तो घुसपैठियों की खैर नहीं : शाह

GANDIV REPORTER

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल के लोगों ने आने वाले विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार चुनने का फैसला किया है। शाह ने कहा कि, बीजेपी बंगाल में विकास और गरीब कल्याण पर ध्यान देते हुए राज्य की विरासत को फिर से जिंदा करेगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमित शाह ने ममता बनर्जी सरकार पर कुशासन और अवैध अप्रवासियों की घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि, यह पश्चिम बंगाल सरकार है जो बांग्लादेश के साथ बॉर्डर पर फेंसिंग लगाने के लिए जमीन नहीं दे रही है... क्या सीएम ममता बनर्जी इसका जवाब दे सकती हैं कि त्रिपुरा, असम, राजस्थान, पंजाब, कश्मीर और गुजरात के बॉर्डर पर घुसपैठ क्यों रुक गई है। उन्होंने कहा कि, ऐसा इसलिए है, क्योंकि पश्चिम बंगाल में, डेमोग्राफिक बदलाव लाने और अपने वोटों को मजबूत करने के लिए आपकी (ममता बनर्जी) निगरानी में घुसपैठ होती है। शाह ने कहा कि, अगला चुनाव घुसपैठ रोकने और यहां से घुसपैठियों को निकालने के मुद्दों पर लड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि, बंगाल बॉर्डर से हो रही घुसपैठ नेशनल सिक्योरिटी का मुद्दा है।

शाह ने कहा कि, 30 दिसंबर भारतीयों के लिए गर्व का दिन है, क्योंकि इसी दिन 1943 में बंगाल के सपूत सुभाष चंद्र बोस ने पोर्ट ब्लेयर में भारतीय झंडा फहराया था। शाह ने कहा कि, यह बंगाल के लिए भी एक अहम समय है, जो आज से शुरू होकर अप्रैल तक चलेगा, क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव होंगे। शाह ने कहा कि, बंगाल के लोगों ने एक मजबूत सरकार चुनने का फैसला किया है जो उन्हें विरासत, विकास और भलाई दे, न कि (ऐसी सरकार जो) डर, भ्रष्टाचार, कुशासन और घुसपैठ लाई है।

महिला की चीख बनकर शर्मिंदा करती खामोशी

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

ऐसी घटनाएं अब अपवाद नहीं रहीं। पिछले महीने जयपुर के कालवाड़ थाना क्षेत्र में घरेलू हिंसा से परेशान एक महिला ने देर रात 150 फीट गहरे कुएं में छलांग लगा दी। गनीमत रही कि समय रहते पुलिस ने रेस्क्यू कर उसकी जान बचा ली। इसी तरह कोटा के महावीर नगर इलाके में घरेलू विवाद ने जब खौफनाक रूप लिया, तो पति ने पत्नी को जूस पिलाने के बहाने घर से बाहर बुलाया और सुनसान सड़क पर ले जाकर चाकू से हमला कर उसका कान काट डाला।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में हाल ही में सामने आया घरेलू हिंसा का एक मामला केवल एक आत्महत्या की खबर नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक सड़ांध का प्रतीक है, जो आज भी हमारे घरों के भीतर पल रही है। 32 वर्षीय विवाहिता ने अपने चार महीने के मासूम बेटे के सामने गेहूं की टंकी में रखा सल्फास खाकर जान दे दी। लगातार मारपीट, दहेज की मांग और मानसिक प्रताड़ना ने उसे इस हद तक तोड़ दिया कि जीवन से उसका विश्वास उठ गया। युवती की मां की शिकायत पर पुलिस ने पति और ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज किया, लेकिन सवाल यह है कि क्या कानून की कार्रवाई उस मासूम बच्चे को मां का साया लौटा पाएगी?

ऐसी घटनाएं अब अपवाद नहीं रहीं। पिछले महीने जयपुर के कालवाड़ थाना क्षेत्र में घरेलू हिंसा से परेशान एक महिला ने देर रात 150 फीट गहरे कुएं में छलांग लगा दी। गनीमत रही कि समय रहते पुलिस ने रेस्क्यू कर उसकी जान बचा ली। इसी तरह कोटा के महावीर नगर इलाके में घरेलू विवाद ने जब खौफनाक रूप लिया, तो पति ने पत्नी को जूस पिलाने के बहाने घर से बाहर बुलाया और सुनसान सड़क पर ले जाकर चाकू से हमला कर उसका कान काट डाला। वहीं जोधपुर में दिवाली से पहले बहू को उसके पति और ससुर ने बीच सड़क पर बेरहमी से पीटा, बाल खींचे गए, घूंसे बरसाए गए और राह चलते लोग तमाशबीन बने रहे। इसी तरह अजमेर में देर रात शराब के नशे में धुत एक पति ने अपनी पत्नी को इस कदर पीटा कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या की रिपोर्ट खुद आरोपी के छोटे भाई ने दर्ज कराई।

ये घटनाएं किसी एक जिले या वर्ग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह बताती हैं कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के दावे आज भी कितने खोखले हैं। हम मंचों से महिला सशक्तिकरण की बातें करते हैं, योजनाओं के पोस्टर लगते हैं, भाषणों में नारी शक्ति की दुहाई दी जाती है, लेकिन सच्चाई यह है कि घर, जिसे सबसे सुरक्षित स्थान माना जाता है, वही कई महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित बन चुका है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार राजस्थान में हर चौथी विवाहित महिला किसी न किसी रूप में घरेलू हिंसा झेल रही है। यह हिंसा केवल शारीरिक नहीं, बल्कि भावनात्मक, मानसिक और यौन उत्पीड़न के रूप में भी सामने आती है।

सर्वे में प्रदेश में 18 से 49 वर्ष की आयु की 26.3 प्रतिशत महिलाओं ने अपने पति या परिवार के अन्य पुरुष सदस्यों से हिंसा सहने की बात स्वीकार की है। रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में पिछले पांच वर्ष में एक लाख से ज्यादा

पीड़ित महिलाएं मदद के लिए महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, वन स्टॉप सेंटर या थाने पहुंची हैं, जिनमें से सबसे ज्यादा जयपुर से हैं। घरेलू हिंसा के मामलों में भावनात्मक और मानसिक प्रताड़ना,यौन हिंसा के सबसे ज्यादा है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 में 18 से 49 वर्ष की विवाहित महिलाओं को शामिल किया गया था। घरेलू हिंसा के मामलों में कर्नाटक 48.4 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर है। इसके बाद बिहार 42.5 प्रतिशत के साथ दूसरे और मणिपुर 41.6 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। तेलंगाना में 40.4 प्रतिशत तथा तमिलनाडु में 39.7 प्रतिशत महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार पाई गईं।

वहीं सबसे कम घरेलू हिंसा केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में दर्ज की गई, जहां यह आंकड़ा केवल 1.3 प्रतिशत है। इसके अलावा गोवा में 9.7 प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में 10.7 प्रतिशत और नागालैंड में 11.0 प्रतिशत महिलाएं घरेलू हिंसा से प्रभावित हैं। इन आंकड़ों के पीछे की सच्चाई और भी डरावनी है, क्योंकि अधिकतर महिलाएं कभी शिकायत दर्ज ही नहीं करातीं। सामाजिक बदनामी का डर, आर्थिक निर्भरता, बच्चों का भविष्य और घर टूट जाएगा जैसी सोच उन्हें चुप रहने पर मजबूर कर देती है। पितृसत्तात्मक समाज, जहां पुरुष को अधिकार और महिला को सहनशीलता का पाठ पढ़ाया जाता है, घरेलू हिंसा की सबसे बड़ी जड़ है। शिक्षा की कमी, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता, नशे की लत, दहेज प्रथा और कानून की सीमित जानकारी इस आग में घी का काम करती है।

पिछले कुछ वर्षों में राजस्थान में एक लाख से अधिक महिलाएं मदद के लिए थानों, महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्रों और वन-स्टॉप सेंटरों तक पहुंचीं। यह संख्या बताती है कि समस्या कितनी व्यापक है, लेकिन यह भी सच है कि इससे कहीं ज्यादा मामले कभी सामने ही नहीं आते। घरेलू हिंसा का असर केवल शरीर पर पड़े घावों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य को गहरे स्तर पर प्रभावित करता है। अवसाद, आत्मविश्वास की कमी, भय और अकेलापन उनके जीवन का स्थायी हिस्सा बन जाता है। सरकार ने घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 और मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम 2017 जैसे कानून बनाकर पीड़ित महिलाओं को सुरक्षा देने की कोशिश की है। वन-स्टॉप सेंटर जैसी योजनाएं भी शुरू की गई हैं, जहां कानूनी, चिकित्सीय और मनोवैज्ञानिक सहायता एक ही छत के नीचे मिल सके। पर कानून तभी कारगर होते हैं, जब समाज उन्हें स्वीकार करे और महिलाएं बिना डर अपनी बात रख सकें।

घरेलू हिंसा की रोकथाम के लिए केवल महिलाओं को मजबूत बनाना पर्याप्त नहीं है। जरूरी है कि पुरुषों को भी समाधान का हिस्सा बनाया जाए। बचपन से ही लड़कों को समानता, संवेदनशीलता और सम्मान के संस्कार सिखाने होंगे। नशे पर नियंत्रण, महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता, रोजगार के अवसर, त्वरित न्याय और परिवार में संवाद का माहौल इस समस्या को काफी हद तक कम कर सकता है। बेल बजाओ और लड़के रोते नहीं जैसे अभियानों ने यह साबित किया है कि सामाजिक जागरूकता से सोच बदली जा सकती है। जरूरत है ऐसे निरंतर, ईमानदार और जमीनी अभियानों की, जो हर घर तक यह संदेश पहुंचाएं कि हिंसा अपराध है, चाहे वह चारदीवारी के भीतर ही क्यों न हो। यदि हम सच में महिलाओं के खिलाफ हिंसा से मुक्त भारत बनाना चाहते हैं, तो अब चुप्पी तोड़नी होगी। हर खामोशी किसी न किसी महिला की चीख बनकर हमें शर्मिंदा करती रहेगी।

युद्ध, संघर्ष, सत्ता परिवर्तन, तख्तापलट और अस्थिरता से साल भर जूझती रही दुनिया

नीरज कुमार दुबे

भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव और तनाव पूरे साल बना रहा। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर ने यह स्पष्ट कर दिया कि दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच कितनी नाजुक स्थिति है। वहीं पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा संघर्ष ने क्षेत्रीय अस्थिरता को और गहरा किया, जहाँ आतंकवाद, शरणार्थी संकट और सैन्य झड़पें एक-दूसरे में घुलती रहीं।

साथ ही दक्षिण-पूर्व एशिया में दुनिया ने एक अप्रत्याशित मोर्चा खुलते देखा, जब थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमित युद्ध छिड़ गया। यह संघर्ष इस बात का संकेत था कि क्षेत्रीय विवाद, जो वर्षों से दबे हुए थे, अब खुलकर हिंसक रूप लेने लगे हैं। वहीं मध्य-पूर्व में इजराइल और हमास के बीच संघर्ष ने भयावह मानवीय संकट को जन्म दिया। गाजा पट्टी युद्धभूमि में तब्दील होती रही, जहाँ हवाई हमले, रॉकेट फायरिंग और जमीनी कार्रवाई ने हजारों निर्दोष लोगों की जान ली। यह

संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि वैश्विक राजनीति और कूटनीति को भी गहरे स्तर पर प्रभावित करता रहा।

इसके अलावा, मध्य-पूर्व में तनाव और गहरा हुआ। ईरान और इजराइल के बीच प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया। मिसाइल हमले, हवाई हमले और सैन्य चेतावनियों ने यह साफ कर दिया कि एक चिंगारी पूरे क्षेत्र को आग में झोंक सकती है।

इसके अलावा, यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध 2025 में भी थमता नजर नहीं आया। यह संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यूरोप की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका सीधा असर पड़ा। साथ ही अफ्रीका के सैहेल क्षेत्र में चरमपंथी हिंसा और गृहयुद्ध जैसी स्थितियां बनी रहीं, जहाँ आम नागरिक सबसे बड़े शिकार बने।

इसी तरह बांग्लादेश में आंतरिक राजनीतिक संघर्ष और हिंसा ने यह दिखा दिया कि लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर पनपने वाले टकराव भी किस तरह देश को अस्थिर कर सकते हैं। विरोध-प्रदर्शन, राजनीतिक टकराव और अल्पसंख्यकों के साथ बर्बरता ने सामाजिक ताने-बाने को कमजोर किया।

देखा जाये तो इन सभी संघर्षों ने 2025 में यह साफ कर दिया कि दुनिया किसी एक महायुद्ध की ओर नहीं, बल्कि एक साथ कई छोटे-छोटे युद्धों और स्थायी अस्थिरता की ओर बढ़ रही है। यह वह दौर है जहाँ सीमाएं बारूद बन चुकी हैं और शांति सिर्फ भाषणों तक सिमट गई है।

इसके अलावा, जहाँ दुनिया संघर्ष और अस्थिरता से जूझ रही थी, वहीं डोनाल्ड ट्रंप 2025 के सबसे चर्चित नेताओं में से एक बने रहे। हालांकि उनकी लोकप्रियता सर्वसम्मत नहीं थी। एक ओर उनके समर्थक उन्हें मजबूत, निर्णायक और राष्ट्रवादी नेता मानते रहे, वहीं दूसरी ओर आलोचक उन्हें विभाजनकारी और संस्थाओं को कमजोर करने वाला नेता बताते रहे। ट्रंप की लोकप्रियता दरअसल इस बात का प्रतीक बनी कि दुनिया भर में राजनीति अब सहमति नहीं, बल्कि ध्रुवीकरण से चल रही है। बहरहाल, 2025 ने यह साफ कर दिया कि दुनिया अब पुराने संतुलन की ओर नहीं लौटने वाली। सत्ता परिवर्तन, तख्तापलट, युद्ध और वैचारिक टकराव आने वाले वर्षों की भूमिका लिख चुके हैं। यह साल इस सच्चाई का आईना बन गया कि शांति अब अपवाद बनती जा रही है और संघर्ष नई सामान्य स्थिति। यदि वैश्विक नेतृत्व ने समय रहते संवाद, कूटनीति और सहयोग का रास्ता नहीं चुना, तो 2025 आने वाले बड़े संकटों की शुरूआत साबित होगा।

झारखंड

सैलानियों को खूब भाता है देवघर का टूरिस्ट स्पॉट नए साल से पहले लोगों की उमड़ने लगी भीड़

GANDIV REPORTER

देवघर। आज से दो दिन के बाद नए साल का आगमन शुरू हो जाएगा। नए साल को लेकर अभी से ही लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है। पर्यटन स्थल, वॉटर फॉल, डैम जैसे जगहों पर खास भीड़ देखने को मिल रही है। वहीं, अगर देवघर जिले की बात करें तो यहां पर कई ऐसे पिकनिक स्पॉट हैं, जहां पूरे भारतवर्ष से लोग पहुंचते हैं।

कपकपाती ठंड के बीच भी पिकनिक स्पॉट पर लोगों की भीड़ में कोई कमी नहीं हो रही है। त्रिकुट पहाड़ और नंदन पहाड़ पर सबसे ज्यादा पर्यटक घूमने आते हैं। इसके अलावा भी कई ऐसे स्थान हैं, जहां पर पर्यटकों की काफी भीड़ होती है। असम से पहुंचे पर्यटक अभिजीत ने कहा कि देवघर एक ऐसा शहर है, जहां पर कई पिकनिक स्पॉट हैं। इसके अलावा यहां पर घूमने के लिए भी कई अच्छे स्थान

हैं, जो लोगों को काफी आकर्षित करते हैं। वहीं, यूपी से नंदन पहाड़ घूमने आए एक पर्यटक ने कहा कि देवघर के बारे में काफी सुना है। यहां पर द्वादश ज्योतिर्लिंग के साथ-साथ कई ऐसे स्थान हैं जहां का दृश्य काफी मनोरम है।

पर्यटकों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन की तरफ से भी कई इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन की तरफ से पर्यटक स्थलों पर बच्चों के लिए झूले और वोटिंग की व्यवस्था करवाई गई है। इसके अलावा भूत बंगले और मछली घर भी बच्चों को काफी आकर्षित कर रहे हैं। वहीं, देवघर के कई ऐसे बड़े होटल हैं, जो नए साल को लेकर अभी से ही तैयारियां कर ली हैं।

देवघर के आसपास जैसे बुढ़ई पहाड़ और मधुपुर में भी पर्यटकों की काफी भीड़ देखने को मिलती है। गौरतलब है कि देवघर देशभर में एक महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल के रूप में जाना जाता है। ऐसे में भारत के साथ-साथ विदेशों से भी पर्यटक देवघर में घूमने के लिए पहुंचते हैं। नए साल को देखते हुए जिले में पुलिस प्रशासन की तरफ से भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। जिले के एसपी सौरभ कुमार की तरफ से ड्रिंक एंड ड्राइव को लेकर खास निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नए साल के मौके पर पर्यटकों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती भी की गई है।

नए साल के मौके पर जिला प्रशासन की तरफ से लोगों से अपील की गई है कि जो भी लोग पर्यटन स्थलों पर घूमने आते हैं, उसे स्वच्छ रखें। अपनी जिम्मेदारियां को निभाते हुए मनोरम दृश्य का आनंद लें ताकि आने वाले सालों में अगली पीढ़ी को भी यह आनंद मिलता रहे।

पत्रकार से मारपीट-बदसलूकी मामले में एसपी ने थानेदार को किया सस्पेंड

दुमका। जिले में पत्रकार मृत्युंजय पांडेय से दुर्व्यवहार और मारपीट करने के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। विभागीय जांच के आधार पर एसपी पितांबर सिंह खेरवार ने हंसडीहा के थानेदार ताराचंद्र को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। ताराचंद्र के निलंबन के बाद, जिम्मी हांसदा को हंसडीहा थाने का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। बता दें कि पत्रकार मृत्युंजय पांडेय के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट की गई थी। मृत्युंजय पांडेय ने आरोप लगाया था कि हंसडीहा के तत्कालीन थानेदार ताराचंद्र ने उनके साथ ड्यूटी के दौरान अभद्र व्यवहार किया और मारपीट की। इस मामले ने तूल पकड़ा और पत्रकार संगठनों ने दोषी अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी। ऐसे में पुलिस प्रशासन पर जल्द कार्रवाई करने का दबाव था।

कानून लागू रहने के बाद भी क्यों आदिवासी असुरक्षित : चंपाई सोरेन

देवघर। पूर्व सीएम चंपाई सोरेन साहिबगंज जाने के दौरान देवघर के बगदहा में रुके। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य में विकास का पहिया थमा हुआ है। राज्य की सरकार विकास को लेकर कहीं से भी सजग नहीं दिख रही है। पूर्व सीएम ने कहा कि मौजूदा सरकार सिर्फ अपने विकास पर विचार कर रही है, जनता के विकास को लेकर उनके पास कोई ढांचा नहीं है। पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने कहा आज जिस तरह से संथाल में घुसपैठियों की संख्या बढ़ रही है, वो यहां के स्थानीय और मूलवासियों के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि एसआईआर का लाभ कहीं ना कहीं स्थानीय, मूलवासियों और आदिवासियों को मिलेगा। पूर्व सीएम ने कहा कि भारत की धरती सिर्फ भारतवासियों के लिए है, ना कि बाहर से आने वाले घुसपैठियों के लिए।

रेलवे इंजीनियर के सरकारी आवास में लाखो की चोरी, जांच में जुटी पुलिस

GANDIV REPORTER

पाकुड़। जिले में चोरी की घटनाएं घटने के बजाय बढ़ती ही जा रही हैं। चोरी की घटना पर लगाम लगाने में पुलिस लगातार नकाम साबित हो रही है। रविवार की देर रात चोरों ने रेलवे कैंपस स्थित एक आवास में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने नगदी सहित जेवर और अन्य सामान पर हाथ साफ किया है। सूचना मिलते ही रेलवे सहित नगर थाने की पुलिस पहुंची और जांच कर रही है।

रेलवे के सहायक अभियंता राणा प्रताप यादव ने बताया कि रविवार की देर रात्रि को जब ड्यूटी से वो सरकारी आवास लौटे तो मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ पाया। उन्होंने बताया कि आवास के अंदर जब प्रवेश किया तो अलमारी टूटी पाई, साथ ही सभी सामान बिखरा पड़ा था। सहायक अभियंता ने बताया कि चोर 25 हजार रुपया नगद, एक सोने की चेन के अलावा पायल, अंगूठी के साथ अन्य सामान ले गए हैं।

सहायक अभियंता ने घटना की जानकारी जीआरपी

को दी। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। नगर थाना प्रभारी बबलू कुमार भी दलबल के साथ पहुंचे और आसपास लोगों से पूछताछ की। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं को लेकर शहरी क्षेत्र के लोगों में भय का माहौल है। साथ ही पुलिस की गश्ती पर भी लोग सवाल उठा रहे हैं।

घटना को लेकर जीआरपी प्रभारी प्रीतम कुमार ने बताया कि सरकारी क्वाटर में चोरी की घटना घटी है और मिली सूचना पर जांच करने पहुंचे थे। लेकिन क्वाटर एरिया नगर थाना क्षेत्र में रहने के कारण नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने की सलाह दी गई है। वहीं नगर थाना प्रभारी बबलू कुमार ने बताया कि जांच की गई है।

पुलिस ने तीन एकड़ में लगी अवैध अफीम की खेती को किया नष्ट, तस्करों की पहचान जारी

GANDIV REPORTER

लातेहार। लातेहार पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हेरहंज थाना क्षेत्र में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को पूरी तरह नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि हेरहंज थाना क्षेत्र के पंडारम और मारी के बीच स्थित दुर्गम वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पोस्ते की अवैध खेती की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित

रणनीति बनाकर सोमवार को मौके पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने करीब तीन एकड़ भूमि में लगी अफीम की फसल को ट्रैक्टरों की मदद से पूरी तरह नष्ट कर दिया। पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों को अवैध रूप से पोस्ते की खेती नहीं करने की अपील की।

पुलिस की अपील, अवैध खेती ना करें और कोई करे तो सूचना दें : पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को बताया कि अफीम की खेती करना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह समाज और विशेषकर युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कहीं भी वन भूमि या अन्य क्षेत्रों में अवैध खेती की जानकारी मिले, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

तस्करों की पहचान में जुटी पुलिस

लातेहार पुलिस अब उन लोगों की पहचान करने में जुटी है, जो वन भूमि का दुरुपयोग कर अवैध रूप से अफीम की खेती में शामिल थे। पुलिस ने साफ किया है कि जिले में नशे से जुड़े किसी भी अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अभियान आगे भी जारी रहेगा।

RNI NO : JHABIL/2019/85684, Printed and Published by SHREE KANT SINGH on behalf of M/s PAHARI BABA VENTURES PVT LTD and Printed at KHABAR MANTRA PRESS, M/s VRINDA MEDIA PUBLICATIONS PVT LTD, Plot no-342,344 Chiroundi, Boreya Road, Ranchi, Jharkhand-834008 and Published at B-13, JP Market, Dhurwa, Ranchi-834004, Jharkhand, Ph.-06207706623. Editor- **Amarkant*** responsible for selection of news under the PRB Act.

नववर्ष के स्वागत को तैयार मिनी लंदन मैकलुस्कीगंज

पर्यटकों की बढ़ती आमद से गुलजार हुआ विश्वविख्यात एंग्लो इंडियन गांव

SHAHIL GUPTA

डकरा। मिनी लंदन के नाम से मशहूर विश्वविख्यात एंग्लो इंडियन गांव मैकलुस्कीगंज नववर्ष के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। प्राकृतिक सौंदर्य, अंग्रेजी विरासत और ठंडे मौसम का संगम इस पर्यटन नगरी को सैलानियों की पहली पसंद बना रहा है। नए साल के मौके पर यहां के प्रमुख गेस्ट हाउस और होम-स्टे पर्यटकों से लगभग भर चुके हैं। राणा कंट्री कॉटेज, गार्डेन गेस्ट हाउस, गुलमोहर गेस्ट हाउस, टूरिस्ट इन्फॉर्मेशन सेंटर, अमाइरा होम स्टे, राजा बंगला, कंचनजंगा गेस्ट हाउस सहित अन्य ठहराव स्थल सैलानियों के स्वागत को तैयार हैं। राणा कंट्री कॉटेज व गुलमोहर गेस्ट हाउस में हाउस फुल का बोर्ड लग चुका है।

गार्डेन गेस्ट हाउस के संचालक बाबी गार्डेन ने बताया कि यहां आने वाले पर्यटकों में बंगाल के सैलानियों की संख्या सर्वाधिक रहती है। कुछ वर्षों तक मैकलुस्कीगंज रेलवे स्टेशन पर शक्ति पुंज एक्सप्रेस का ठहराव बंद रहने से बंगाली पर्यटकों की संख्या घटी थी, लेकिन पुनः ठहराव शुरू होते ही पर्यटकों की आमद में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्राकृतिक सौंदर्य और विरासत का अनूठा संगम

मैकलुस्कीगंज के आसपास स्थित पिकनिक स्पॉट सैलानियों को आकर्षित कर रहे हैं। शंकर निकेतन, जागृति विहार, दुल्ली स्थित सर्वधर्म स्थल प्रेम कुटीर, डेगाडेगी नदी, चट्टी नदी, कुंवार पतरा, दामोदर नदी, नकटा पहाड़, वॉच टावर और हरे-भरे जंगल बरबस ही पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। यहां साल भर सैलानियों का जमावड़ा लगा रहता है।

फिल्म शूटिंग का पसंदीदा स्थल

यह क्षेत्र बॉलीवुड और बंगला फिल्मों की शूटिंग के लिए भी जाना जाता है। यहां अ डेथ इन द गंज, अनटोल्ड स्टोरी (धोनी पर आधारित), डे वन, मोहनार दिक्के, लेटर टू मम, किलर स्टिंट सहित कई फिल्मों और धारावाहिकों की शूटिंग हो चुकी है। जागृति विहार में स्वीडन, नॉर्वे सहित अन्य देशों से विदेशी छात्र ग्रामीण सभ्यता से रूबरू होने आते हैं।

सरकारी दौरे से जगी उम्मीद

हाल ही में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के मैकलुस्कीगंज दौरे के बाद पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों में नई उम्मीद जगी है। उल्लेखनीय है कि विश्व पर्यटन दिवस पर मैकलुस्कीगंज को बेस्ट टूरिज्म विलेज का पुरस्कार भी मिल चुका है।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

दामोदर नदी

मैकलुस्कीगंज-बालूमाथ सड़क पर स्थित दामोदर नदी से सूर्यास्त का दृश्य अत्यंत मनोहारी होता है। वॉच टावर और कोनका घाटी से भी सूर्यास्त का अद्भुत नजारा देखा जा सकता है।

अंग्रेजी विरासत के हेरिटेज बंगले

जिरो माइल से लगभग दो किलोमीटर दूर पहाड़ियों पर बने अंग्रेजी काल के हेरिटेज बंगले, गिरजाघर और विद्यालय पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। बरसात में पहाड़ियों के बीच उठता धुंध रोमांचक दृश्य प्रस्तुत करता है।

जागृति विहार

जोभिया में स्थित यह स्वयंसेवी संस्था लगभग 20 एकड़ में फैली है। ग्रामीण परिवेश में शिक्षा ग्रहण करने आने वाले विदेशी छात्रों के कारण यह सैलानियों का प्रमुख आकर्षण बना हुआ है।

नकटा पहाड़

मैकलुस्कीगंज से 10 किलोमीटर दूर स्थित यह पहाड़ी ट्रेकिंग और पिकनिक के लिए प्रसिद्ध है। हर वर्ष दो जनवरी को यहां मेला लगता है, हालांकि सुरक्षा कारणों से शाम तक ही ठहरने की अनुमति है।

सर्वधर्म स्थल दुल्ली

करीब 350 एकड़ में फैला यह स्थल मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और सीता कुंड जलाशय के लिए जाना जाता है। मान्यता है कि यहां स्नान करने से चर्म रोग सहित कई बीमारियों से राहत मिलती है।

डेगाडेगी व कुंवार पतरा नदी

मैकलुस्कीगंज से मात्र दो किलोमीटर दूर स्थित इन नदियों के तट पर मकर संक्रांति के अवसर पर भव्य मेला लगता है। यहां झारखंडी संस्कृति की झलक देखने को मिलती है।

झुनझुनिया फॉल

चंदवा मार्ग पर स्थित यह झरना ऊंचे साल व सखुआ के पेड़ों से घिरा है। नववर्ष को लेकर ग्रामीणों ने पर्यटकों की सुविधा हेतु साफ-सफाई की है।

ठंड का खास अनुभव

दिसंबर में यहां का तापमान शून्य डिग्री से नीचे चला जाता है। सुबह खेत-खलिहान, छप्पर और वाहनों पर जमी बर्फ जैसी ओस सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहती है, जिसे कैमरे में कैद करने पर्यटक दूर-दूर से पहुंचते हैं।

31 दिसंबर की शाम को जरूर कर लें यह आसान उपाय, साल भर दौलत से भरी रहेगी आपकी तिजोरी

साल 2025 अच्छे और बुरे अनुभवों के साथ खत्म हो रहा है, और क्योंकि साल का आखिरी दिन (31 दिसंबर) बुधवार को पड़ रहा है और नया साल (1 जनवरी, 2026) गुरुवार को शुरू हो रहा है। बता दें, हिंदू धर्म में, गुरुवार को देवी लक्ष्मी की पूजा के लिए एक शुभ दिन माना जाता है। जब कोई भक्त गुरुवार को देवी लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की पूजा करता है, तो उसे लक्ष्मी और नारायण दोनों का आशीर्वाद मिलता है। यह कृपा न केवल धन बल्कि स्थायी सुख, सौभाग्य और धर्म भी प्रदान करती है, जिसे स्थिर लक्ष्मी (स्थायी समृद्धि) के नाम से जाना जाता है।

नए साल से लोगों को बहुत उम्मीदें होती हैं। आने वाले साल को खुशहाल बनाने के लिए, ज्योतिषी राहुल डे ने 31 दिसंबर को करने के लिए एक उपाय बताया है। ज्योतिषी राहुल डे का कहना है कि यह उपाय करने से आने वाले साल में बहुत ज्यादा खुशहाली आएगी और देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद हमेशा आप पर बना रहेगा। इस खबर में जानिए क्या है वे उपाय। साल 2025 खत्म होने वाला है, और नया साल 2026 शुरू होने वाला है। हर कोई चाहता है कि नया साल अच्छी शुरूआत के साथ शुरू हो और इस साल उनकी सभी अधूरी इच्छाएं पूरी हों। ऐसे में, ज्योतिषी राहुल डे का कहना हैं कि आपके पास अपनी अधूरी इच्छाओं को पूरा करने का एक मौका है, लेकिन इसके लिए आपको एक छोटा सा उपाय करना होगा। अगर आप 2026 में अपनी अधूरी इच्छा पूरी करना चाहते हैं, तो आपको इस साल (2025) के आखिरी दिन, यानी 31 दिसंबर को सिक्के और लॉन्ग का उपाय करना होगा, तभी आपकी इच्छा पूरी होगी।

इस उपाय को कैसे करें?

इस उपाय को करने के लिए, 31 दिसंबर की शाम को, एक रुपये का सिक्का और एक लौंग लें और अपने घर के सामने ऐसी जगह जाएं जहां चार सड़कें मिलती हों। उन्हें अपने सिर के चारों ओर सात बार घड़ी की उल्टी दिशा में घुमाएं और फिर दोनों चीजों को अपने पीछे फेंक दें। उसके बाद, पीछे मुड़कर न देखें। ऐसा करने से आने वाले साल में आपको बहुत फायदा होगा। यह आपको पूरे साल खुशी और शांति बनाए रखने में मदद करेगा। ज्योतिषी राहुल डे कहते हैं कि जो लोग अपने काम में बाधाओं का सामना कर रहे हैं और जिनकी आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है, वे यह उपाय आजमा सकते हैं। इससे पूरे साल उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

इसके अलावा, 31 दिसंबर को इन बातों का भी ध्यान रखें।

- दिन खत्म होने से पहले घर का सारा कचरा फेंक दें।
- घर से पुराने कैलेंडर हटा दें। अगर कैलेंडर पर किसी भगवान की तस्वीर है, तो उसे पीपल के पेड़ के नीचे रख दें।
- पुरानी झाड़ू को फेंक देना सबसे अच्छा है
- टूटे हुए बर्तन और टूटी हुई मूर्तियां घर से हटा दें
- अगर कोई सूखा पौधा या पेड़ है, तो उसे फेंक दें
- घर में बंद घड़ी न रखें।
- फटे हुए कपड़े पहनने से बचें
- अपने घर से धूल साफ करें

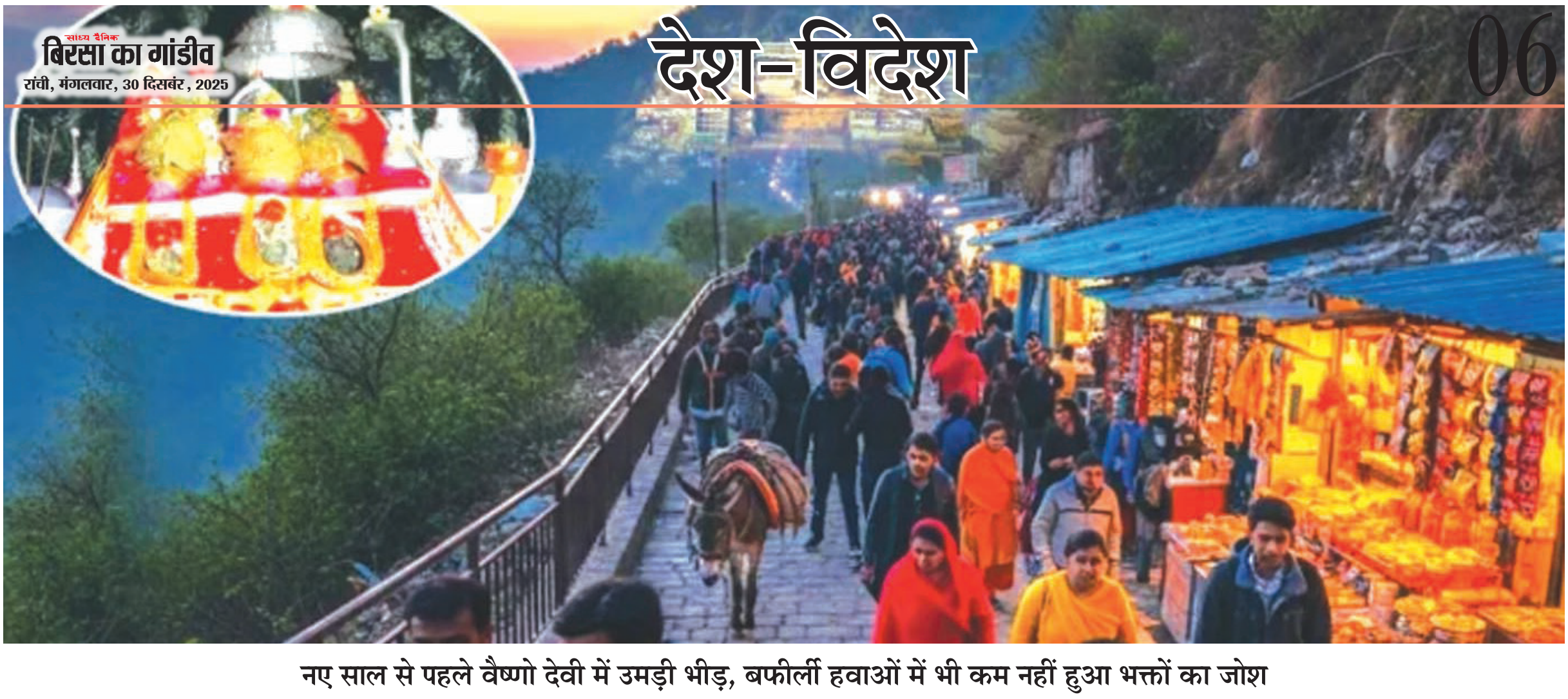

नए साल से पहले वैष्णो देवी में उमड़ी भीड़, बर्फीली हवाओं में भी कम नहीं हुआ भक्तों का जोश

थावे मंदिर चोरी कांड में बड़े रैकेट का खुलासा

थावे के चोरों के पास मिली करोड़ों की मूर्तियां

GANDIV REPORTER

गोपालगंज। जिले के प्रसिद्ध थावे दुर्गा मंदिर चोरी मामले में अब नया अपडेट आया है। यहां पर पुलिस ने फरार चोर के घर पर कई घंटे तक छापेमारी की। इस छापामारी में आरोपी चोर के घर से पुलिस ने दो बेशकीमती अष्टधातु की मूर्तियां बरामद की है। इस मामले में पुलिस ने फरार आरोपी चोर शरीफ साइन की मां और उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों महिलाओं से पूछताछ की जा रही है।

गोपालगंज थावे मंदिर चोरी कांड में नया मोड़ : दरअसल बीते 17 और 18 दिसंबर की रात को थावे दुर्गा मंदिर का ताला तोड़कर चोरों ने थावे मां के गले में लगा सोने का हार, सोने का मुकुट और छतरी की

चोरी कर ली थी। इस मामले में गोपालगंज पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि एक फरार चोर की तस्वीर जारी की गई है। जिसकी सूचना देने वाले को इनाम देने की घोषणा भी की गई है। फरार चोर का नाम शरीफ आलम उर्फ शरीफ साइन है। वह नगर थाना क्षेत्र के आरार मोड़ का रहने वाला है।

चोरों के घर मिली कहीं और की अष्टधातु की मूर्तियां : पुलिस के मुताबिक जब वह आरोपी चोर की गिरफ्तारी करने के लिए उसके घर पहुंची। चोर के घर और उसके आसपास के इलाके की सघन तलाशी ली गई तो उसके घर से प्रभु श्रीराम और माता सीता की दो अष्टधातु की मूर्तियां बरामद की गई हैं। यह दोनों मूर्तियां छपरा के मंदिर से चोरी की गई थीं। बरामद दोनों मूर्तियां काफी पुरानी है और एंटीक पीस हैं। पुलिस के मुताबिक एक अष्टधातु मूर्ति का वजन करीब 3 किलो 580 ग्राम है। जबकि दूसरी मूर्ति का वजन 3 किलो 562 ग्राम है।

थावे के चोरों के पास मिली छपरा से गायब करोड़ों की मूर्तियां : सूत्रों के मुताबिक बरामद की गई दोनों मूर्तियों की मूल्य करोड़ों में हो सकती है। जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 11 करोड़ आंकी गई है। हालांकि इस मामले में पुलिस ने अष्टधातु की मूर्ति की कीमत के बारे में कोई खुलासा नहीं किया है। इन मूर्तियों के रखने का स्टैंड के अलावा और भी कई आपत्तिजनक चीजें बरामद हुई है। पुलिस ने आरोपी चोर के घर से रेलवे ट्रैक के कुछ अंश भी बरामद किए हैं। इसके अलावा कई अन्य सामान और एक देशी कट्टा भी बरामद हुआ है।

रेल पटरी चुराने का भी नेटवर्क

पुलिस ने फरार आरोपी चोर शरीफ साइन की 22 वर्षीय पत्नी शब्बा खातून और उसकी मां 47 वर्षीय मदीना खातून को भी गिरफ्तार किया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है। मूर्तियों के बरामद होने के बाद पुलिस अब इस मामले में भी पड़ताल में जुट गई है। वहीं 10 फीट से ज्यादा लंबे रेलवे ट्रैक की बरामदगी मामले में भी आरपीएफ की इस चोर की तलाश है, जो आरपीएफ और बिहार पुलिस की पकड़ से अबतक फरार है। बता दे कि इस मामले में पुलिस ने यूपी के गाजीपुर के दीपक राय और मोतिहारी के इजमामुल आलम को मुकुट के कुछ अंश के साथ गिरफ्तार किया था।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया का निधन, 80 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

GANDIV REPORTER

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की चेयरपर्सन बेगम खालिदा जिया का आज मंगलवार सुबह लंबी बीमारी के बाद 80 साल की उम्र में निधन हो गया। बीएनपी की ओर से जारी बयान के अनुसार, सुबह करीब 6 बजे ढाका के एवरकेयर अस्पताल में खालिदा जिया का निधन हुआ। पिछले एक महीने से ज्यादा समय से इसी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। बयान में कहा गया कि बीएनपी चेयरपर्सन और पूर्व प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय नेता बेगम खालिदा जिया का आज सुबह 6 बजे की नमाज के ठीक बाद निधन हो गया। पार्टी नेताओं और समर्थकों ने उनकी मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें एक

बड़ी राजनीतिक हस्ती के तौर पर याद किया, जिन्होंने बांग्लादेश के आधुनिक राजनीतिक इतिहास में अहम भूमिका निभाई थी। पार्टी ने कहा, हम उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं और सभी से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने का अनुरोध करते हैं। खालिदा जिया को 23 नवंबर को दिल और फेफड़ों से जुड़ी गंभीर समस्याओं के बाद एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपने आखिरी हफ्तों में वह निमोनिया से भी पीड़ित थीं। वह 36 दिनों तक मेडिकल निगरानी में रहीं और उनकी हालत नाजुक बताई गई थी। पिछले कुछ सालों में पूर्व प्रधानमंत्री कई पुरानी बीमारियों से जूझ रही थीं, जिनमें लिवर सिरोसिस, डायबिटीज, गठिया और किडनी, फेफड़े, दिल और आंखों से जुड़ी पुरानी समस्याएं शामिल थीं। उनके इलाज की देखरेख एक मल्टीडिसिप्लिनरी मेडिकल टीम कर रही थी, जिसमें बांग्लादेश के विशेषज्ञों के साथ-साथ यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और ऑस्ट्रेलिया के डॉक्टर भी शामिल थे। इसी महीने उन्हें बेहतर मेडिकल केयर के लिए विदेश भेजने पर चर्चा हुई थी। हालांकि, डॉक्टरों की सलाह के बाद उन योजनाओं को आखिरकार टाल दिया गया, क्योंकि डॉक्टरों ने कहा कि उनकी शारीरिक हालत इंटरनेशनल यात्रा के लिए बहुत कमजोर थी।

अल्मोड़ा में यात्रियों से भरी बस खाई में गिरी बस, 7 जानें जाने की आशंका

GANDIV REPORTER

अल्मोड़ा। मंगलवार सुबह अल्मोड़ा जिले के भिकियासैंण के पास यात्रियों से भरी एक बस गहरी खाई में गिर गई। स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के अनुसार, इस हादसे में छह से सात लोगों के मरने की आशंका है। हादसे की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की बचाव टीमों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया।

मंगलवार सुबह अल्मोड़ा जिले के भिकियासैंण के पास यात्रियों से भरी एक बस गहरी खाई में गिर गई। स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के अनुसार, इस हादसे में छह से सात लोगों के मरने की आशंका है। हादसे की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की बचाव टीमों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। घायलों को इलाज के लिए भिकियासैंण के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अल्मोड़ा

के एसएसपी देवेंद्र पिंचा ने कहा, बचाव टीमों को मौके पर भेज दिया गया है। कुछ लोगों के मरने की खबरें हैं।

सीएम धामी ने दुख जताया : उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस घटना पर दुख जताया है। उट धामी ने कहा कि वह जिला प्रशासन के संपर्क में हैं और घायलों को जरूरी मदद दी जा रही है।

सीएम धामी ने पर पोस्ट किया, हमें अल्मोड़ा जिले में भिकियासैंण से रामनगर जा रही बिकियासैंण-विनायक मोटर रोड पर एक बस दुर्घटना की बेहद दुखद खबर मिली है, जिसमें यात्रियों की जान गई है। यह घटना बहुत दर्दनाक और दिल दहला देने वाली है।

उन्होंने आगे कहा, हादसे में घायल यात्रियों को जिला प्रशासन द्वारा तुरंत पास के अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। गंभीर रूप से घायलों को बेहतर इलाज के लिए बड़े मेडिकल सेंटरों में रेफर किया गया है। पूरे मामले पर लगातार नजर रखी जा रही है, और मैं स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों के लगातार संपर्क में हूं।

अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ सांसद अजय टम्टा ने दुख जताया : केंद्रीय मंत्री और अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ के सांसद अजय टम्टा ने भी इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि पुलिस और बचाव दल एक बड़े बचाव अभियान में लगे हुए हैं और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

टम्टा ने पर पोस्ट किया, अल्मोड़ा जिले में भिकियासैंण-विनायक मार्ग पर हुए भयानक सड़क हादसे की खबर बेहद दुखद और परेशान करने वाली है। खबरों के मुताबिक, एक बस के सड़क से फिसलकर खाई में गिरने से कई यात्रियों की मौत हो गई या वे घायल हो गए।

उन्होंने आगे कहा, घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान में लगी हुई हैं, और घायलों को इलाज के लिए तुरंत मेडिकल सुविधाएं दी जा रही हैं।

बिहार में रेलवे ने दिया 10वीं पास बेरोजगारों का नौकरी का अवसर

GANDIV REPORTER

सीतामढ़ी। नए साल में समस्तीपुर रेल मंडल में स्टेशनों पर एटीवीएम मशीनों के संचालन के लिए बेरोजगार युवकों को रोजगार का अवसर देगा। मंडल क्षेत्र के सीतामढ़ी समेत अन्य स्टेशनों पर 17 फैसिलिटेटर की बहाली की जाने वाली है। इस पद के लिए न तो अधिक योग्यता है और अधिक आर्थिक बोझ। खास बात यह कि फैसिलिटेटर के रूप में न वेतन मिलेगा और न स्थाई बहाली होगी, बल्कि कमीशन मिलेगा।

बहाली की न्यूनतम योग्यता मैट्रिक पास : रेलवे की ओर से जारी सूचना में फैसिलिटेटर पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं पास रखी गई है। इसमें आम नागरिकों के साथ ही रेलवे की नौकरी से रिटायर्ड कर्मियों या उनकी संतान भी आवेदक हो

सकते है। बहरहाल, समस्तीपुर रेल मंडल के यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) के संचालन को फैसिलिटेटर की तैनाती के फैसले पर हर कोई खुशी जता रहा है। इस फैसले को बेरोजगारों के लिए नए साल 2026 में एक तोहफा माना जा रहा है।

वेतन के बदले मिलेगा कमीशन : बताया गया है कि चयनित फैसिलिटेटर को रेलवे की ओर से कोई मासिक वेतन नहीं, बल्कि स्मार्ट कार्ड के प्रत्येक री-चार्ज पर प्रोत्साहन राशि (बोनस) मिलेगी। 150 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए स्मार्ट कार्ड रिचार्ज पर बोनस 03 फीसदी की दर से मिलेगा। वहीं, 151 किलोमीटर से 500 किलोमीटर के बीच की यात्रा के लिए 02 फीसदी बोनस और 500 किलोमीटर से अधिक की दूरी के लिए जारी किए गए टिकटों पर बोनस 01 फीसदी दर से मिलेगा। यह दर NSG- 1,NSG- 2 एवं **NSG- 3** श्रेणी के स्टेशनों के लिए लागू है।

ऐसे काम करेंगे फैसिलिटेटर : जानकारी के मुताबिक, हर फैसिलिटेटर को नियुक्ति वाले स्टेशन पर ही स्टेशन प्रबंधक से स्मार्ट कार्ड खरीदना होगा और उसी के माध्यम से यात्रियों को जनरल और प्लेटफॉर्म टिकट उपलब्ध कराना होगा। इसी स्मार्ट कार्ड पर उन्हें कमीशन मिलेगा। रेलवे ने यह स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह की शिकायत मिलने पर नियमों के अनुसार जुमार्ना लगाया जा सकता है। रेल मंडल के अंतर्गत सीतामढ़ी स्टेशन पर एक फैसिलिटेटर की नियुक्ति होगी। वहीं दरभंगा जंक्शन पर 6 एटीवीएम स्थापित हैं, जहां एक फैसिलिटेटर की तैनाती की जाएगी। मुजफ्फरपुर स्टेशन पर 05 मशीनों के लिए 06 फैसिलिटेटर बहाल किए जाएंगे।

असम की कला, संस्कृति, संगीत और भाषा के लिए घुसपैठिए बहुत बड़े खतरे : अमित

GANDIV REPORTER

गुवाहाटी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के गुवाहाटी में ज्योति-बिष्णु अंतरराष्ट्रीय कला मंदिर का उद्घाटन किया। इस दौरान, अमित शाह ने कहा कि जिस क्षेत्र पर घुसपैठियों ने कब्जा जमाया था, उस 162 एकड़ भूमि को खाली कराकर यहां महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव जी का स्मारक बनाना असम की संस्कृति के पुनरोदय का बहुत बड़ा प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज यहां श्री ज्योति-बिष्णु सभागार का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने कहा कि ज्योतिप्रसाद अगरवाला और बिष्णु प्रसाद राभा, दो महान साहित्यकारों और कलाकारों, की स्मृति में 291 करोड़ की लागत से 5000 लोगों के बैठने की क्षमता वाले सभागार का उद्घाटन असम के विकास का

परिचायक है।

असम एक बहुत लंबे दुःस्वप्न जैसे कालखंड से बाहर आया

कल सोमवार को अमित शाह ने कहा कि असम एक बहुत लंबे दुःस्वप्न जैसे कालखंड से बाहर आया है। उन्होंने कहा कि एक दशक पहले के असम में बम धमाके, ब्लॉकेड, गोलीबारी, हिंसक समूह और आंदोलन देखने को मिलते थे। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के पिछले 11 साल के शासन में असम विकास के रास्ते पर अग्रसर होकर देश के साथ कदम मिलाकर चल रहा है। शाह ने कहा कि असम में सभी जगह घुसपैठियों ने कब्जा जमा लिया था, लेकिन पिछले 10 साल, विशेषकर श्री हिमंता बिस्वा सरमा जी के शासन के पिछले 5 साल, में 1 लाख 29 हजार बीघा जमीन को घुसपैठियों से खाली कराने का काम किया गया है। घुसपैठियों के आने के बाद असम की कला, संस्कृति, संगीत और भाषा जिंदा नहीं रह सकते

शाह ने आगे कहा कि आज जो विपक्ष असम की कला, साहित्य और संस्कृति की बात करते है, उन्होंने ही घुसपैठियों को यहां बसाने के लिए 1983 में कानून लाने का काम किया था। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों के आने के बाद असम की कला, संस्कृति, संगीत और भाषा जिंदा नहीं रह सकते। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने वोटबैंक की राजनीति के लिए असम के अस्तित्व पर ही सवालिया निशान लगा दिया था। गृह मंत्री ने कहा कि 10 साल से हमारी पार्टी की सरकार असम में रही है और अगले 5 साल में हम असम से एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुनकर खदेड़ देंगे। उन्होंने कहा कि इसी से असम की संस्कृति, भाषा और संगीत की रक्षा होगी।

10 हजार से अधिक युवा हथियार छोड़कर मेनस्ट्रीम में वापस आए : शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने असम के सभी हिंसक समूहों से समझौता कर यहां शांति प्रस्थापित की है। उन्होंने कहा कि इन समझौतों के कारण 10 हजार से अधिक युवा हथियार छोड़कर मेनस्ट्रीम में वापस आए हैं और असम आज विकास के रास्ते पर चल रहा है। अमित शाह ने आगे कहा कि आज असम में लाखों-करोड़ों रुपये के उद्योग लग रहे हैं, इन्फ्रास्ट्रक्चर बन रहा है, काजीरंगा देश का सबसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बन गया है, लचित बरफूकन जी की गगनचुंबी प्रतिमा के माध्यम से उनकी स्मृति को युवाओं के हृदय में स्थापित करने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि आज असम आंदोलन के शहीदों का भी एक उचित स्मारक बनाकर उन्हें एक प्रकार से न्याय देने का काम किया गया है।

यमन से 24 घंटे में सेना हटाए यूएई नहीं तो तबाही मचा देंगे : सऊदी

GANDIV REPORTER

रियाद। सऊदी अरब सरकार ने यमन के बंदरगाह पर हवाई हमला करने के बाद अब संयुक्त अरब अमीरात पर सीधा जुबानी हमला दिया है। सऊदी अरब ने यूएई को यमन से अपनी सेना हटाने के लिए मात्र 24 घंटे का समय दिया है। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी करके यूएई को चेतावनी दी कि उनका देश अपने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किसी भी खतरे को खत्म करने से नहीं हिचकेगी। सऊदी अरब ने यमन में एसटीसी विद्रोहियों के आगे बढ़ने को सीधे तौर पर यूएई से जोड़ा है और कहा कि यह कदम ह्यबहुत ही खतरनाकह्न है। इससे पहले सऊदी अरब की वायुसेना ने यमन के मुकाला पोर्ट पर हमला किया था। सऊदी का कहना है कि इस पोर्ट पर यूएई ने एसटीसी के लिए हथियार भेजा था।

सऊदी अरब ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा उसके लिए रेड लाइन है और वह इसकी रक्षा करेगा। सऊदी अरब ने कहा कि उसने सीमित सैन्य अभियान चलाया है। इस बीच यमन में सऊदी अरब के समर्थन वाली राष्ट्रपति काउंसिल के प्रमुख रशद अल अलीमी ने कहा है कि उसने यूएई के सभी सैनिकों को अगले 24 घंटे के अंदर यमन के क्षेत्र से वापस जाने के लिए कहा है। उन्होंने टीवी पर दिए एक भाषण में सऊदी अरब और गठबंधन सेना के समर्थन की जमकर तारीफ की। यमन के नेता ने यूएई के साथ रक्षा डील को भी रद कर दिया है। संयुक्त अरब अमीरात से यमन में अलगाववादियों के लिए भेजी गई हथियारों की खेप को निशाना बनाकर सऊदी अरब द्वारा किए गए हवाई हमलों के बाद यमन में हूती-विरोधी बलों ने मंगलवार को आपातकाल की घोषणा कर दी। इन बलों ने अपने नियंत्रण वाले इलाकों में सभी सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए बंद करने की घोषणा की। साथ ही, हवाई अड्डों और बंदरगाहों में प्रवेश पर भी रोक लगा दी है, केवल उन लोगों पर प्रतिबंध नहीं है जिन्हें सऊदी अरब ने अनुमति दी है।

स्मृति-शैफाली का जलवा, भारत की धमाकेदार जीत

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को चौथे टी20 में 30 रन से हराकर श्रृंखला जीत

GANDIV REPORTER

ढाका। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को चौथे टी20 में 30 रन से हराकर श्रृंखला जीत ली है, जिससे 4-0 की अजेय बढ़त हासिल हुई है। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ओवर रेट पर गलती स्वीकार की और अंतिम टी20 में टीम संयोजन में बदलाव के संकेत दिए, जबकि स्मृति मंधाना की शतकीय साझेदारी जीत की मुख्य कड़ी रही।

हल्की गर्माहट भरे माहौल में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को 30 रन से हराकर सीरीज में 4-0 की अजेय बढ़त बना ली है। मुकाबले के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने स्वीकार किया कि अंतिम ओवरों में टीम को ओवर रेट को लेकर सतर्क रहना पड़ा और उन्होंने गेंदबाजों को तेजी से ओवर पूरे करने के निर्देश दिए थे।

बता दें कि श्रीलंका की पारी के आखिरी ओवरों में हरमनप्रीत काफी सक्रिय नजर आईं और लगातार खिलाड़ियों को पोजीशन व टाइमिंग को लेकर समझाती दिखीं। मैच के बाद उन्होंने कहा कि समय कम पड़ रहा था और वह नहीं चाहती थीं कि टीम पर अतिरिक्त फील्डर पेनल्टी लगे।

गौरतलब है कि भारत की जीत की नींव स्मृति मंधाना और शफाली वर्मा की रिकॉर्ड साझेदारी ने रखी। दोनों ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। मंधाना ने 80 रन जबकि शफाली ने 79 रन की पारी खेली। इसके बाद ऋचा घोष और हरमनप्रीत ने पारी को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाया।

मौजूद जानकारी के अनुसार, गेंदबाजी में वैष्णवी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 विकेट 24 रन पर लिए और श्रीलंका की रनगति पर ब्रेक लगाया।

मैच के बाद हरमनप्रीत ने संकेत दिए कि अंतिम टी20 में टीम संयोजन में बदलाव हो सकता है और कुछ खिलाड़ियों को मौका दिया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि शुरूआत में हरलीन देओल को भेजने की योजना थी, लेकिन मैच की परिस्थिति को देखते हुए ऋचा को पहले भेजा गया।

प्लेयर ऑफ द मैच रहीं स्मृति मंधाना ने कहा कि लंबे समय तक वनडे खेलने के बाद टी20 में ढलना थोड़ा मुश्किल था, लेकिन अभ्यास और योजना ने मदद की। उन्होंने शफाली की तारीफ करते हुए कहा कि उनके साथ बल्लेबाजी करना हमेशा खास होता है। श्रीलंका की कप्तान चमारी अट्टापट्टू ने हार के बावजूद टीम के प्रदर्शन में सुधार की बात कही। उन्होंने माना कि बल्लेबाजी बेहतर हुई है लेकिन पावर हिटिंग में अभी और मेहनत की जरूरत है।

कुल मिलाकर भारत ने सीरीज में अपना दबदबा बनाए रखा है और अब आखिरी मुकाबले में युवा खिलाड़ियों को आजमाने की संभावना जताई जा रही है।

उन्होंने शैफाली की तारीफ करते हुए कहा कि वह पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी से टीम को बड़ी बढ़त दिलाती हैं। वहीं, श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने हार के बावजूद अपनी टीम के प्रदर्शन में सुधार की बात कही। उन्होंने स्वीकार किया कि गेंदबाजी में कमी रही, लेकिन युवा खिलाड़ियों को भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से काफी सीख मिली है।

अब सीरीज का आखिरी मुकाबला मंगलवार को खेला जाएगा, जहां भारत की नजरें क्लीन स्वीप पर होंगी और श्रीलंका सम्मान बचाने उतरेगा।

मैदान पर भारत की जीत का जश्न, मगर हरमनप्रीत के चेहरे पर स्लो ओवर रेट की चिंता

GANDIV REPORTER

ढाका। मैच भले ही भारत ने आराम से जीत लिया हो, लेकिन मैदान पर कप्तान हरमनप्रीत कौर थोड़ी चिंतित भी नजर आईं। रविवार को खेले गए चौथे महिला टी20 मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को 30 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 4-0 की अजेय बढ़त बना ली है, लेकिन मैच के आखिरी ओवरों में स्लो ओवर रेट को लेकर कप्तान को अपने गेंदबाजों को बार-बार टोकना पड़ा। बता दें कि श्रीलंका की पारी के दौरान हरमनप्रीत को खिलाड़ियों से तेजी से ओवर पूरे करने के लिए कहते देखा गया। मैच के बाद उन्होंने स्वीकार किया कि समय की कमी हो रही थी और वह किसी भी तरह की पेनल्टी से बचना चाहती थीं। उन्होंने कहा कि वह चाहती थीं कि फील्डिंग के दौरान नियमों का पूरा ध्यान रखा जाए और तीन फील्डर सर्कल के बाहर न हों। गौरतलब है कि भारत की इस जीत की नींव स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा की तूफानी बल्लेबाजी ने रखी। दोनों ने पहले विकेट के लिए रिकॉर्ड साझेदारी की। मंधाना ने 80 रन की पारी खेली, जबकि शैफाली 79 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद रिचा घोष ने भी तेजी से रन जोड़कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। मौजूद जानकारी के अनुसार, लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 191 रन ही बना सकी। भारत की ओर से स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट लिए और रन गति पर लगाम लगाई। मैच के बाद हरमनप्रीत कौर ने कहा कि टीम में संतुलन अच्छा बन रहा है और अगले मुकाबले में कुछ बदलाव भी देखने को मिल सकते हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि हरलीन देओल को मौका देने की योजना थी, लेकिन ओपनिंग जोड़ी ने इतनी अच्छी शुरूआत दी कि बल्लेबाजी क्रम में बदलाव की जरूरत नहीं पड़ी। प्लेयर ऑफ द मैच बनी स्मृति मंधाना ने कहा कि लंबे समय से वनडे क्रिकेट खेलने के बाद टी20 फॉर्मेट में ढलना थोड़ा मुश्किल था, लेकिन मेहनत रंग लाई। उन्होंने शैफाली की तारीफ करते हुए कहा कि वह पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी से टीम को बड़ी बढ़त दिलाती हैं। वहीं, श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने हार के बावजूद अपनी टीम के प्रदर्शन में सुधार की बात कही। उन्होंने स्वीकार किया कि गेंदबाजी में कमी रही, लेकिन युवा खिलाड़ियों को भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से काफी सीख मिली है। अब सीरीज का आखिरी मुकाबला मंगलवार को खेला जाएगा, जहां भारत की नजरें क्लीन स्वीप पर होंगी और श्रीलंका सम्मान बचाने उतरेगा।

वर्ल्ड चैंपियन गुकेश उलटफेर का शिकार, फिडे मास्टर सर्गेई स्लोकिन से हार का सामना करना पड़ा

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। विश्व चैंपियन डी गुकेश फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियनशिप 2025 में उलटफेर का शिकार हो गए हैं। 12 साल के फिडे मास्टर सर्गेई स्लोकिन से हार का सामना करना पड़ा। स्लोकिन से उनका यह मुकाबला तीसरे राउंड का था। गुकेश पर टाइम का भारी दबाव था और उन्होंने एक गलती कर दी।वैसे तो यह मुकाबला गुकेश के पक्ष में झुका हुआ लग रहा था। विश्व चैंपियन गुकेश की ब्लिट्ज रेटिंग 2628 थी, जो स्लोकिन की लगभग 2400 की रेटिंग से 228 अंक ज्यादा थी। दोनों खिलाड़ियों के लेवल में काफी बड़ा अंतर है। गुकेश एक सुपर ग्रैंडमास्टर हैं जिनकी क्लासिकल रेटिंग 2750 से ऊपर है। दूसरी तरफ स्लोकिन के पास फिडे मास्टर का टाइटल है, जो ग्रैंडमास्टर से दो स्तर नीचे है। इस बड़े अंतर के बावजूद स्लोकिन ने गुकेश का डटकर मुकाबला किया। खेल का निर्णायक मोड़ 70वें चाल पर आया, जब समय सबसे बड़ा कारक बन गया। काले मोहरों से खेल रहे गुकेश के पास सिर्फ आठ सेकंड बचे थे, जबकि स्लोकिन के पास लगभग 13 सेकंड थे। इस समय युवा प्रतिभा ने हाथी की अदला-बदली का प्रस्ताव दिया। गुकेश एक प्यादा पीछे थे, लेकिन यह अदला-बदली खेल को ड्रॉ करवा सकती थी। लेकिन गुकेश ने एक जोखिम भरा रास्ता चुना। उन्होंने हाथी की अदला-बदली को अस्वीकार कर दिया और जीतने की संभावना बनाए रखने के लिए 70 आरएफफोर4 चला। यह फैसला महंगा साबित हुआ। स्लोकिन ने इस मौके का सटीक फायदा उठाया और जल्द ही एक बिशप जीत लिया। इसके बाद गुकेश की स्थिति बिगड़ने लगी और उनके पास लड़ने के लिए कोई प्यादा नहीं बचा था, इसलिए उन्होंने लगभग दस चालों के बाद हार मान ली। स्लोकिन ने वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में भी खेले, जहां वह 90वें स्थान पर रहे और उन्हें 226.4 रेटिंग पॉइंट्स मिले, जो ओपन कैटेगरी में किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे ज्यादा थे। 2013 में जन्मे स्लोकिन आधे अर्मेनियाई और आधे रूसी हैं। वह किसी देश के नहीं बल्कि फिडे फेडरेशन के झंडे के तले खेलते हैं।

13 से 18 जनवरी तक इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होगा इंडिया ओपन 2026 आयोजन

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। इंडिया ओपन 2026 का आयोजन 13-18 जनवरी के बीच नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होगा। इस टूर्नामेंट की कुल प्राइज मनी 950,000 अमेरिकी डॉलर है।

बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) के तहत बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) की ओर से आयोजित, यह सुपर 750 टूर्नामेंट एक बार फिर भारत में दुनिया के टॉप शटलर्स की मेजबानी करेगा। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर शेड्यूल पर एक प्रमुख इवेंट के तौर पर, इंडिया ओपन 11,000 रैंकिंग प्वाइंट्स तक देता है।

फैंस 6 दिनों के इस टूर्नामेंट में एन से-यंग, पीवी सिंधु, कुनलावुत विटिडसर्न, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी और लक्ष्य सेन जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ-साथ भारत की उभरती प्रतिभाओं जैसे उन्नति हुड्डा और आयुष शेट्टी को खेलते हुए देखेंगे। मैच के दौरान 8 हजार से ज्यादा दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी, जो पिछली बार से दोगुनी है। यह आयोजन भारत के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन इवेंट के बढ़ते महत्व को दिखाता है। 2026 एडिशन का लक्ष्य खिलाड़ियों और फैंस दोनों के लिए एक विशाल, ज्यादा रोमांचक और अधिक आकर्षक अनुभव देना है। इंडिया ओपन 2026 के टिकट सिर्फ ऑनलाइन बेचे जाएंगे। इनकी कीमतें 400 रुपये से शुरू होती हैं, जिसमें प्रीमियम सीटों की कीमत 1,750 रुपये तक है। इससे अलग-अलग कैटेगरी में ऑप्शन मिलेंगे। टिकट बिक्री का पहला चरण दिसंबर के अंत तक चलेगा, जिसमें खासकर नॉकआउट मुकाबलों के लिए सबसे ज्यादा छूट मिलेगी। इसके बाद जनवरी की शुरूआत से शुरू होने वाले अगले चरणों में भी कम दामों पर टिकट उपलब्ध रहेंगे।

इस मौके पर बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, इंडिया ओपन का इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजन टूर्नामेंट के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस वेन्यू से खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए बेहतर ऑन-ग्राउंड मिलेगा और अधिक फैंस स्टेडियम में एक साथ बैठकर मैच का लुत्फ उठा सकेंगे। जैसे-जैसे भारतीय बैडमिंटन का कद बढ़ रहा है, यह जरूरी है कि हमारे प्रमुख इवेंट भी उसी के साथ विकसित हों। ऐसे स्थान वेन्यू बनाए जाएं जहां खेल, एथलीट्स और फैंस सभी एक साथ आगे बढ़ सकें।

ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर उठे सवाल: गावस्कर ने रेफरी और क्यूरेटरों को घेरा, 'गलतियों' पर तंज!

GANDIV REPORTER

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया में क्यूरेटरों को गलती पर माफ किए जाने और भारत में तुरंत आलोचना झेलने की प्रवृत्ति को गावस्कर ने चयनात्मक आलोचना करार दिया, जिससे क्रिकेट की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगा है।

ऑस्ट्रेलिया में चल रही एशेज सीरीज के मेलबर्न टेस्ट के दो दिन में खत्म होने के बाद एक बार फिर पिच की गुणवत्ता को लेकर बहस तेज हो गई है। इस पूरे मामले पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने तीखा तंज कसते हुए मैच रेफरी और पिच रेटिंग प्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

बता दें कि मेलबर्न टेस्ट इस सीरीज का दूसरा मुकाबला था, जो केवल दो दिन में समाप्त हो गया। इससे पहले पर्थ टेस्ट भी बेहद सीम मूवमेंट वाली पिच पर खेला गया था, जहां बल्लेबाजों को टिकना मुश्किल हो गया था। इसके बावजूद उस पिच को मैच रेफरी ने बहुत अच्छी रेटिंग दी थी, जिस पर क्रिकेट जगत में हैरानी जताई गई थी।

गौरतलब है कि मेलबर्न में भी हालात कुछ अलग नहीं रहे और यहां कुल 36 विकेट गिरे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सुनील गावस्कर ने अपने कॉलम में व्यंग्य करते हुए लिखा कि संभव है इस बार बहुत अच्छा शब्द हटा कर केवल अच्छा कर दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अब तो किसी भी तरह की हैरानी नहीं होनी चाहिए।

मौजूद जानकारी के अनुसार, गावस्कर ने यह भी कहा कि जब बल्लेबाज रन बनाते हैं तो पिच को खराब कहा जाता है, लेकिन जब गेंदबाज विकेट लेते हैं तो वही पिच शानदार मानी जाती है। उनके मुताबिक यह साफ तौर पर दोहरा मापदंड है और इससे यह संकेत मिलता है कि अब खेल बल्लेबाजों के बजाय गेंदबाजों के पक्ष में झुकता जा रहा है।

उन्होंने यह भी कटाक्ष किया कि ऑस्ट्रेलिया में पिच तैयार करने वाले क्यूरेटरों को गलती करने पर माफ कर दिया जाता है, जबकि भारत में पिच तैयार करने वालों को तुरंत कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है। गावस्कर ने इसे चयनात्मक आलोचना बताया।

बता दें कि मेलबर्न टेस्ट इस सीरीज का दूसरा मुकाबला था, जो केवल दो दिन में समाप्त हो गया। इससे पहले पर्थ टेस्ट भी बेहद सीम मूवमेंट वाली पिच पर खेला गया था, जहां बल्लेबाजों को टिकना मुश्किल हो गया था। इसके बावजूद उस पिच को मैच रेफरी ने बहुत अच्छी रेटिंग दी थी, जिस पर क्रिकेट जगत में हैरानी जताई गई थी।

गौरतलब है कि मेलबर्न में भी हालात कुछ अलग नहीं रहे और यहां कुल 36 विकेट गिरे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सुनील गावस्कर ने अपने कॉलम में व्यंग्य करते हुए लिखा कि संभव है इस बार बहुत अच्छा शब्द हटा कर केवल अच्छा कर दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अब तो किसी भी तरह की हैरानी नहीं होनी चाहिए।

मौजूद जानकारी के अनुसार, गावस्कर ने यह भी कहा कि जब बल्लेबाज रन बनाते हैं तो पिच को खराब कहा जाता है, लेकिन जब गेंदबाज विकेट लेते हैं तो वही पिच शानदार मानी जाती है।

उनके मुताबिक यह साफ तौर पर दोहरा मापदंड है और इससे यह संकेत मिलता है कि अब खेल बल्लेबाजों के बजाय गेंदबाजों के पक्ष में झुकता जा रहा है।

एमसीजी पिच पर आ-ईसीसी का कड़ा फैसला, एशेज टेस्ट के बाद बताया असंतोषजनक

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले गए चौथे एशेज टेस्ट के महज दो दिनों में समाप्त होने के बाद, आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) की पिच को आईसीसी ने असंतोषजनक घोषित कर दिया है। यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि पिच गेंदबाजों के लिए बहुत अनुकूल पाई गई, जहां 142 ओवरों में 36 विकेट गिरे और कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक नहीं बना सका। नतीजतन, आईसीसी पिच और आउटफील्ड निगरानी प्रक्रिया के तहत एमसीजी को एक अंक का डिमेरिट दिया गया है, जो अगले पांच वर्षों तक लागू रहेगा। मैच रेफरी जेफ क्रो ने बताया कि पिच की स्थिति ने गेंदबाजों को अनुचित लाभ पहुंचाया, जिससे मैच जल्दी समाप्त हो गया। इंग्लैंड ने चार विकेट से टेस्ट मैच जीतकर 2011 के बाद ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टेस्ट जीत हासिल की। आईसीसी की वेबसाइट पर प्रकाशित बयान के अनुसार, एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के जेफ क्रो ने कहा, ₹एमसीजी की पिच गेंदबाजों के लिए बहुत अनुकूल थी। पहले दिन 20 विकेट, दूसरे दिन 16 विकेट गिरे और कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं पहुंच सका।

एसए20 : सौरव गांगुली के हाथ फिर लगी निराशा

काव्या मारन की टीम ने धमाकेदार अंदाज में मारा मैदान

GANDIV REPORTER

ग्केबेर्हा (साउथ अफ्रीका। आक्रामक सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने 47 गेंदों में 77 रन की तूफानी पारी खेली जिससे सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट में प्रिटोरिया कैपिटल्स को 48 रन से हराकर बोनस अंक हासिल किया। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 188 रन बनाए। कैपिटल्स की टीम इसके जवाब में 18 ओवर में 140 रन पर आउट हो गई। सनराइजर्स ने लगातार दूसरे मैच में बोनस अंक हासिल किया और उसके अब 10 अंक हो गए हैं।

सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इसके बाद डिकॉक ने मैथ्यू ब्रिजट्के के साथ मिलकर मोर्चा संभाल लिया। दूसरे विकेट के लिए दोनों के बीच 70 गेंद पर 116 रनों की साझेदारी हुई। ब्रिट्जके ने 33 गेंदों पर 7 चौके और एक छक्के की मदद से 52 रन बनाए। डिकॉक ने अपनी पारी में पांच चौके और छह छक्के लगाए। इन दोनों के अलावा शानदार फॉर्म में चल रहे जॉर्डन हरमन (20 गेंदों में 37 रन, पांच चौके, एक छक्का) ने भी उपयोगी योगदान दिया।

मार्को यानसेन ने पहले ही ओवर में प्रिटोरिया कैपिटल्स के झटका दे दिया। इसके बाद विल स्मीद और शाई होप ने पारी को संभाला। दोनों के बीच 47 रनों की साझेदारी हुई। होप 36 जबकि स्मीद 35 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम ने लगातार विकेट खोए। 18वें ओवर में 140 रनों पर कैपिटल्स की पारी सिमट गई। एडम मिल्ने ने 25 रन देकर 4 विकेट लिए। थरेंडू रत्नायके ने 4 ओवर में सिर्फ 15 रन देकर दो शिकार किए।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रहे सौरव गांगुली प्रिटोरिया कैपिटल्स के हेड कोच हैं। इसी सीजन उन्हें यह जिम्मेदारी मिली है लेकिन कैपिटल्स का दो मैचों के बाद भी खाता नहीं खुल पाया है। उसे अपने पहले मैच में जोबर्ग सुपर किंग्स से हार झेलनी पड़ी थी।

सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इसके बाद डिकॉक ने मैथ्यू ब्रिजट्के के साथ मिलकर मोर्चा संभाल लिया। दूसरे विकेट के लिए दोनों के बीच 70 गेंद पर 116 रनों की साझेदारी हुई। ब्रिट्जके ने 33 गेंदों पर 7 चौके और एक छक्के की मदद से 52 रन बनाए। डिकॉक ने अपनी पारी में पांच चौके और छह छक्के लगाए। इन दोनों के अलावा शानदार फॉर्म में चल रहे जॉर्डन हरमन (20 गेंदों में 37 रन, पांच चौके, एक छक्का) ने भी उपयोगी योगदान दिया।

मार्को यानसेन ने पहले ही ओवर में प्रिटोरिया कैपिटल्स के झटका दे दिया। इसके बाद विल स्मीद और शाई होप ने पारी को संभाला। दोनों के बीच 47 रनों की साझेदारी हुई। होप 36 जबकि स्मीद 35 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम ने लगातार विकेट खोए। 18वें ओवर में 140 रनों पर कैपिटल्स की पारी सिमट गई।

कपिल शर्मा ने श्रेया घोषाल के साथ गाया गाना और खुद को बताया इंडियन आइडल का विनर, कहा- सपना पूरा हो गया

दमदार कॉमेडी से लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने वाले कपिल शर्मा ने इंडियन आइडल के मंच पर श्रेया घोषाल के साथ गाना गाया, जिससे सेट का माहौल खुशनुमा हो गया। उन्होंने खुद को इंडियन आइडल का विजेता भी घोषित किया। शो के दौरान कपिल ने श्रेया घोषाल की जमकर तारीफ की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि इंडियन आइडल कई सालों से चलता आ रहा है, लेकिन असली नूर तो तब आया जब श्रेया ने गाया। उनकी आवाज में जो मिठास और भावनाएं हैं, उनसे मंच कुछ ही पलों में चमक उठा।

कपिल शर्मा और श्रेया घोषाल ने मिलकर 1975 की क्लासिक फिल्म आंधी का सदाबहार गीत तुम आ गए हो, नूर आ गया है गाया। यह गाना बेहद रोमांटिक है। फिल्म में संजीव कुमार और सुचित्रा सेन मुख्य भूमिका में थे, जबकि निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर गुलजार ने किया था। कपिल और श्रेया की आवाज के मेल ने इस पुराने गाने को नई चमक दी और दर्शकों के सामने एक ऐसा पल बना दिया, जो लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

कपिल शर्मा ने खुद को बताया शो का विनर

गाना खत्म होने के बाद कपिल ने कहा कि श्रेया घोषाल के साथ गाना उनके लिए एक सपने के पूरा होने जैसा था। उन्होंने कहा, यह पल मेरे दिन की सबसे बड़ी खुशी बन गया। अब तो मैं आधिकारिक रूप से इंडियन आइडल जीत चुका हूं, इस शो का विनर बन गया हूं, क्योंकि इस तरह की महान कलाकार के साथ गाना किसी भी कलाकार के लिए बड़ी बात होती है।

इस मौके पर फिल्म आंधी का जिक्र भी हुआ। कई साल पहले जब यह फिल्म रिलीज हुई थी, तब लोगों में यह चर्चा फैल गई थी कि यह कहानी तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके पति से प्रेरित है। हालांकि बाद में यह स्पष्ट किया गया कि फिल्म की कहानी किसी राजनीतिक व्यक्ति पर आधारित नहीं है, बल्कि सिर्फ मुख्य किरदार का लुक तारकेश्वरी सिन्हा और इंदिरा गांधी से प्रभावित था। कहानी एक ऐसे पति-पत्नी की है जो वर्षों पहले अलग हो चुके हैं और फिर अचानक चुनाव प्रचार के दौरान एक होटल में उनकी मुलाकात हो जाती है। यह सादगी और भावनाओं से भरी कहानी आज भी दर्शकों के दिल में अपनी जगह बनाए हुए है।

कपिल शर्मा की फिल्म : दूसरी ओर, कपिल शर्मा इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 के प्रमोशन में व्यस्त हैं। ६

सोनाक्षी सिन्हा-जहीर इकबाल का टूट 'जाता रिश्ता, सबकुछ होने वाला था खत्म! पर थेरेपी से पटरी पर लौटा रिलेशनशिप

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने गुपचुप रोमांस के बाद पिछले साल शादी कर ली थी। अब सोनाक्षी ने खुलासा किया है कि उनके रिश्ते के सिर्फ तीन साल बाद, उनके बीच एक बड़ा बुरा दौर आया। दोनों की हालत यहां तक पहुंच गई थी कि वे एक-दूसरे के बाल नोंचना चाहते थे। फिर उन्होंने कपल थेरेपी लेने का फैसला किया और इसने उनके रिश्ते को कामयाब बना दिया।

सोनाक्षी सिन्हा ने सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर इस बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने कहा, हमारे रिश्ते को तीन साल हो गए थे, जब हम एक ऐसे दौर में पहुंच गए, जहां हम एक-दूसरे के बाल नोंचने को तैयार थे।

सोनाक्षी और जहीर ने ली कपल थेरेपी : सोनाक्षी आगे कहती हैं, हम चाहे जो भी करें, हम एक-दूसरे का नजरिया समझ नहीं पा रहे थे। लेकिन दिल ही दिल में हम जानते थे कि हमें किसी न किसी तरह यह काम करना ही होगा। तभी हमने कपल थेरेपी लेने का फैसला किया और जहीर ने ही इसका सुझाव दिया।

थेरेपी के दो सेशन ने सबकुछ बदल दिया : दबंग एक्ट्रेस ने आगे कहा, उसने मुझसे कहा, मैं चाहता हूं कि यह रिश्ता कामयाब रहे, चाहे कुछ भी हो जाए। मैंने थेरेपी के बारे में सुना है, चलो इसे आजमाते हैं। मैं मान गई और मुझे बहुत खुशी है कि मैंने ऐसा किया। सिर्फ दो सेशन के बाद, हम फिर से पटरी पर आ गए। इससे हमें यह समझने में मदद मिली कि दूसरा व्यक्ति कैसे सोचता है और वह जो कहता है, वह हमेशा उसके मन का नहीं होता। यहां तक कि छोटी-छोटी बातों ने, जैसे यह पहचानना कि आपका साथी क्या कह रहा है, सब कुछ बदल दिया।

शादी से पहले 7 साल किया डेट : सोनाक्षी और जहीर ने पिछले साल घर पर शादी की थी।

तान्या मित्तल की मिमिक्री कर बुरी फंसी जेमी लिवर, बॉडी शेमिंग का आरोप, भड़के यूजर्स बोले- उसकी नकल नहीं कर पाओगी

बॉलीवुड एक्टर जॉनी लिवर की बेटी जेमी लिवर कितनी अच्छी मिमिक्री करती हैं, इससे सभी वाकिफ हैं। एक बार वो रिएलिटी शो बिग बॉस 19 में आई थीं और कंटेस्टेंट तान्या मित्तल का खूब मजाक उड़ाया था। अब वो एक बार फिर उनका मखौल उड़ा रही हैं। उन्होंने वीडियो शेयर किया है, जो वायरल हो गया है। इस वीडियो में जेमी लिवर कुछ बोल नहीं रही हैं। एक क्लिप में है, जिसमें तान्या मित्तल रो रही हैं, वो उसकी नकल उतारती हैं। एक और क्लिप है, जिसमें वो किसी से लड़ रही हैं, इसमें उनके चेहरे के एक्सप्रेशंस की नकल जेमी ने की है।

तान्या मित्तल के सपोर्ट में उतरे यूजर्स : इस पर नीति टेलर से लेकर तमाम यूजर्स मौज ले रहे हैं। पर ज्यादातर लगों ने उल्टा जेमी को ही खरी-खोटी सुनाई है। किसी ने कहा कहा कि क्या ये बॉडी शेमिंग नहीं है? तो किसी ने ये भी बोला कि औरत होकर वो औरत का मजाक उड़ा रही हैं। एक यूजर लिखते हैं, ह्यकिसी का मजाक मत उड़ाओ, अच्छा नहीं लगता। दूसरे ने लिखा, हर किसी को तन्या से अटेंशन चाहिए। एक और लिखते हैं, कॉमडी के नाम पर कुछ भी मत करो।

बिग बॉस 19 का ग्रैंड फिनाले : बता दें कि 7 दिसंबर 2025 यानी आज बिग बॉस 19 का ग्रैंड फिनाले है। होस्ट सलमान खान विनर का नाम अनाउंस करेंगे। टॉप 5 कंटेस्टेंट्स में अमल मलिक, गौरव खन्ना, प्रणित मोरे, फरहाना भट्ट और तान्या मित्तल हैं।

चित्रांगदा सिंह ने धुरंधर के हिंसक दृश्यों को ठहराया सही! कभी-कभी हम हो जाते हैं ज्यादा जजमेंटल

एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह ने बताया कि कैसे कुछ दर्शक धुरंधर (2025) और हाउसफुल 5 (2026) जैसी फिल्में देखते समय जजमेंटल हो जाते हैं। उन्होंने धुरंधर में हिंसा और हाउसफुल 5 की फिजिकल कॉमेडी को कहानी का हिस्सा बताया।

एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह ने बताया कि कैसे कुछ दर्शक धुरंधर (2025) और हाउसफुल 5 (2026) जैसी फिल्में देखते समय जजमेंटल हो जाते हैं। उन्होंने धुरंधर में हिंसा और हाउसफुल 5 की फिजिकल कॉमेडी को कहानी का हिस्सा बताया। एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह ने बताया कि कैसे कुछ दर्शक धुरंधर (2025) और हाउसफुल 5 (2026) जैसी फिल्में देखते समय जजमेंटल हो जाते हैं। उन्होंने धुरंधर में हिंसा और हाउसफुल 5 की फिजिकल कॉमेडी को कहानी का हिस्सा बताया। आदित्य धर की स्पाई-थ्रिलर, धुरंधर के बारे में बात करते हुए चित्रांगदा ने कहा, कभी-कभी जब धुरंधर जैसी फिल्म आती है, तो कुछ लोग इसे सिर्फ. हिंसक सीन वाली फिल्म के तौर पर देखते हैं, लेकिन यह कहानी कहने का तरीका है। इसी तरह, कुछ खास तरह की कॉमेडी फिल्में होती हैं और वह उनकी कहानी कहने का तरीका होता है। फिजिकल कॉमेडी इसी तरह से दिखाई जाती है और डायरेक्टर इसे इसी तरह से दिखाना चाहता है।

एक्ट्रेस ने जोर देकर कहा मैं इसे जज नहीं करती। यह दर्शकों और उनके विवेक पर निर्भर करता है कि वे इसे देखें या न देखें या इससे सहमत हों या न हों। लेकिन क्या एक एक्टर के तौर पर मुझे ऐसी कोई चीज देखने में कम्फर्टेबल महसूस होता है? शायद नहीं। मैं चाहूंगी कि कुछ सीन अलग तरीके से किए जा सकते थे। लेकिन कभी-कभी, मैं इसे नैतिक नहीं कहूंगी, लेकिन हम थोड़े ज्यादा जजमेंटल हो जाते हैं। लेकिन आपको इसे सही तरीके से लेना होगा और इसे कुछ सिनेमैटिक छूट देनी होगी।

हालांकि, हाउसफुल 5 में महिलाओं से जुड़ी फिजिकल कॉमेडी पर ऑनलाइन बहस को मानते हुए, 50 साल की एक्ट्रेस ने कहा, ह्लमैं इनमें से किसी को भी सही ठहराने की कोशिश नहीं कर रही हूं। लेकिन मुझे लगता है कि हर एक्टर का अपने काम पर एक सीमित कंट्रोल होता है। इसके बावजूद, हाउसफुल हमेशा से एक खास तरह की कॉमेडी रही है। मैं इस बात पर जज नहीं कर रही हूं कि उन्होंने इसे कैसे शूट करना चाहा। कभी-कभी फिजिकल कॉमेडी जिसमें कोई महिला शामिल होती है, वह देखने में थोड़ी, मुझे लगता है, असहज हो जाती है।

बैटल ऑफ गलवान के एक्टर ने आगे कहा कभी-कभी वे लैंड करते हैं और कभी नहीं। जब वे लैंड नहीं करते, तभी लोग आकर आलोचना करना शुरू करते हैं। लेकिन जब वह लैंड करता है, तो सब खूब हंसते हैं। जिम कैरी की कुछ फिल्में हैं जिनमें कुछ फिजिकल कॉमेडी सीन होते हैं और हम सब उन पर हंसते हैं। यही बात एडी मर्फी की फिल्मों के लिए भी कही जा सकती है। पुराने समय में, पार्टी नाम की एक फिल्म थी और उसमें भी कुछ ऐसे सीन थे।

चित्रांगदा अगली बार अपूर्व लाखिया की वॉर-ड्रामा बैटल ऑफ गलवान (2026) में नजर आएंगी, जिसमें एक्टर सलमान खान लीड रोल में हैं।

बैटल ऑफ गलवान को सलमान खान फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है और यह 17 अप्रैल, 2026 को रिलीज होने वाली है।